{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरूवार 09 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 194
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,562.90
निफ्टी - 23,997.35
सोना - 1,53,820
चांदी - 2,60,000
डॉलर - 92.49

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पश्चिम एशिया में करीब 40 दिनों से जारी भीषण युद्ध के बीच बड़ी कूटनीतिक जीत...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बमबारी और हमलों के अभियान को दो हफ्ते के लिए किया निलंबित, ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव के बाद दोनों पक्ष द्विपक्षीय युद्धविराम पर राजी

झुक गए ट्रंप, महाजंग पर ब्रेक!

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में करीब 40 दिनों से जारी भीषण युद्ध के बीच बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बमबारी और हमलों के अभियान को दो हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है। पाकिस्तान की मध्यस्थता और ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव के बाद दोनों पक्ष द्विपक्षीय युद्धविराम पर राजी हो गए हैं। इस दो तरफा सीजफायर (संघर्षविराम) की शर्त है कि ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को तुरंत, पूरी तरह और सुरक्षित रूप से खोल दे। ईरान ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच अभी भी कई बड़े मुद्दों पर गहरी खाई बनी हुई है।

हालांकि, ट्रंप ने पहले ईरान के इस 10 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को भ्रामक बताया था, लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अनुरोध के बाद इस शांति प्रस्ताव को काम करने लायक मानते हुए सैन्य अभियान रोकने का फैसला किया है। जिस पर विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप ईरान की शर्तों पर झुक गए हैं। वहीं, इस युद्धविराम के बाद वैश्विक बाजारों में तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं। सीजफायर का ऐलान करने हुए ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद मैंने ईरान पर हमलों को दो सप्ताह के लिए रोकने का फैसला किया है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह खोलने पर सहमति जताई है। ये दो तरफा सीजफायर होगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर चुका है और ईरान से मिला 10-सूत्री प्रस्ताव स्थायी समझौते के लिए काम करने योग्य आधार है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले विवाद के लगभग सभी मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। दो हफ्ते का वक्त स्थायी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पर्याप्त होगा।

सीजफायर बाद भी हमले जारी

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर एक दिन भी नहीं टिक पाया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का कहना है कि ईरान की ओर से अभी भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। यूएई ने कहा कि वह ईरान की ओर से आने वाली मिसाइलों की बौछार को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई कर रहा है। यूएई का कहना है कि उनका एयर डिफेंस ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को रोकने के लिए सक्षम हैं। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब कुछ ही घंटों पहले ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम हुआ था। हालांकि, यूएई ने यह स्पष्ट नहीं किया कि हमला किस जगह पर हो रहा है। कुवैत की सेना ने कहा कि सुबह आठ बजे से ईरानी ड्रोन हमलों से निपटा जा रहा है। सेना ने बताया कि उसने कई ड्रोन को मार गिराया, जिनमें से कुछ दक्षिणी क्षेत्र में महत्वपूर्ण तेल प्रतिष्ठानों और बिजली स्टेशनों को निशाना बना रहे थे, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। वही, ईरान की लावन रिफाइनरी में विस्फोट की खबर दी। ईरान के लावन आईलैंड पर एक तेल रिफाइनरी में बड़ा धमाका हुआ है। सीजफायर के बाद ईरान में धमाके की ये पहली घटना है। अभी विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है।

होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद, लेबनान पर इजरायली हमलों के बाद ईरान का बड़ा फैसला

अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर के एलान को अभी 24 घंटे भी नहीं बीते हैं कि तेहरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया है। फॉर्स न्यूज ने के मुताबिक, यह फैसला लेबनान पर इजरायली हमलों के चलते लिया गया है। फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान में इजरायल के हमलों के कारण ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से तेल टैंकरों के मार्ग को रोक दिया है। फार्स की रिपोर्ट है कि ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष विराम प्रभावी होने के बाद आज सुबह दो तेल टैंकरों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी गई। एजेंसी की रिपोर्ट है, लेबनान पर इजरायल के हमलों के साथ, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों का गुजरना रोक दिया गया है।

अमेरिका में ट्रंप के इस्तीफे की होने लगी मांग

अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर के ऐलान ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। राजनीति विशेषज्ञ इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के सामने झुकना यानी हार मानना मान रहे हैं। वहीं यूएस-ईरान में सीजफायर होते ही अमेरिका में ट्रंप के इस्तीफे की मांग होने लगी है। ट्रंप को राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य ठहराने की मांग हो रही है। अमेरिकी सीनेटर क्रिस मर्फी ने युद्धविराम को ट्रंप का पूर्ण सरेंडर बताया है। वहीं, ग्वेन मूरे ने सभी सांसदों से मिलकर ट्रंप की पागलपन वाली नीति को खत्म करने की अपील कर दी है। अमेरिका में अब ट्रंप के इस्तीफे की मांग भी जोर पकड़ती नजर आ रही है। अमेरिकी सीनेटर क्रिस मर्फी ने ईरान के खिलाफ लड़ाई के इस अंत को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूर्ण समर्पण बताया है। उन्होंने कहा है कि इससे ईरान को होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण मिल गया।

खास खबर

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई (94) का बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में महत्वपूर्ण मंत्री पद संभाले थे। मोहसिना के दामाद रजीउर रहमान किदवई ने बताया कि मोहसिना ने नोएडा के मेट्रो अस्पताल में सुबह अंतिम सांस ली। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने वरिष्ठ नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि उनका निधन पार्टी और राष्ट्र के लिए दुखद अनुभव है।

पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में सलमान खान को राहत

जयपुर। पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में अभिनेता सलमान खान को बड़ी राहत मिली है। यह मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) में चल रहा था, जहां उनके खिलाफ जारी जमानती वारंट पर फिलहाल रोक लगी है। आयोग के इस फैसले के बाद सलमान को तुरंत किसी कानूनी कार्रवाई या जेल जाने का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह पूरा विवाद उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 72 के तहत दर्ज हुआ था, जिसमें भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सख्त प्रावधान हैं। आरोप था कि पान मसाला के विज्ञापन में उपभोक्ताओं को गुमराह किया गया। इस मामले में पहले जिला आयोग ने सख्त रुख अपनाकर वारंट जारी किया था, लेकिन अब उच्च स्तर पर हस्तक्षेप होने से स्थिति बदल गई है। एनसीडीआरसी की दो सदस्यीय बेंच, जिसमें न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एपी साहि और सदस्य भारतकुमार पांडे शामिल हैं, ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी फाइल तलब की है।

एमपी में दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली कैमरे में हुई कैद

दमोह। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली की प्रजाति 'रस्टी-स्पॉटेड कैट' कैमरे में कैद हुई है। यह तस्वीर फरवरी और मार्च 2024 के बीच मध्य प्रदेश वन विभाग और डब्लूडब्लूएफ इंडिया द्वारा सालाना बाघ निगरानी अभियान के तहत लगाए गए ट्रैप कैमरे में डोंगरगांव रेंज में दर्ज हुई है। देहरादून से जारी स्टडी रिपोर्ट के बाद यह जानकारी सामने आई है। रस्टी-स्पॉटेड कैट को आईयूसीएन की रेड लिस्ट में 'संकट के करीब' श्रेणी में रखा गया है। भारत में इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-1 के तहत सुरक्षा प्राप्त है। यह प्रजाति आमतौर पर सूखे पर्णपाती वनों, झाड़ियों वाले इलाकों, घास के मैदानों और पथरीले क्षेत्रों में पाई जाती है। इसकी उपस्थिति क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता को दर्शाती है।

कुछ ना कहना

महिला आरक्षण बिलों को कैबिनेट ने मंजूरी दी

नई दिल्ली । लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्न सीटें आरक्षित करने के बिलों कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। आगामी 16 अप्रैल से शुरू हो रहे विशेष संसद सत्र में इस बिल को पेश किया जाएगा। इनमें संविधान संशोधन बिल भी शामिल है। आपको बता दें कि इस बिल को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने का प्रावधान है। 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन आयोग बनाने का बिल भी लाया जाएगा इसके तहत सीटें बढ़ाई जाएंगी। लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो जाएंगी। इस तरह वर्तमान सीटों को नहीं छेड़ा जाएगा। आपको बता दें की पीएम मोदी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर 6 अप्रैल को भी एक बड़ा बयान दिया था। उन्होंने एक चुनावी रैली के दौरान इसका जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव से ही लागू होगा। असम के बारपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि 40 साल से महिलाएं इसका इंतजार कर रही हैं और इसके लिए कानून में संशोधन जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा था कि हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) पारित किया था।

असम, केरल और पुडुचेरी में आज मतदान

-करोड़ों मतदाता, हजारों उम्मीदवार और कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 9 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है। वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

असम में व्यापक सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था

असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के ज़रिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित

अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है।

वेबकास्टिंग और केंद्रीय बलों की तैनाती

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा। इसके अलावा, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा पक्की करने के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल हैं, को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया गया है।

मतदान कर्मियों और मशीनों की व्यवस्था

चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतज़ाम किया गया है, इनमें आपातकालीन स्थितियों में इस्तेमाल के लिए रिज़र्व में रखी गई मशीनें भी शामिल हैं। ज़रूरत पडने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है।

4 मई को होगी मतगणना

देश के सभी पांच राज्यों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना 04 मई को होगी।

एसआईआर को लेकर तृणमूल कांग्रेस और निर्वाचन आयोग आमने-सामने, सांसद डेरेक बोले

आपत्ति जताने गए थे, आयोग ने 7 मिनट में भगाया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में टीएमसी का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि एसआईआर के मुद्दे पर हमने समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें सिर्फ 7 मिनट में भगा दिया गया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10ः02 बजे शुरू हुई और 10ः07 बजे खत्म हो गई। जबकि चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि डेरेक ओ ब्रायन ने चुनाव आयुक्त को बोलने से रोका और धमकी दी।

वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे।

डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि जब उन्होंने अधिकारियों के ट्रांसफर और निष्पक्ष चुनाव पर सवाल उठाया, तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन्हें वहां से जाने के लिए कह दिया। जो आज हुआ, वह शर्मनाक है। मैं चुनाव आयोग को चुनौती देता हूं कि बैठक का वीडियो या ऑडियो जारी करे। वहीं, चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने डेरेक ओ ब्रायन से बैठक में शालीनता बनाए रखने को कहा था। लेकिन डेरेक आयोग के परिसर में चिल्लाने लगे और अनुचित व्यवहार करने लगे। प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ ब्रायन के अलावा साकेत गोखले, मेनका गुरुस्वामी और सागरिका घोष शामिल थीं।

अधीर रंजन चौधरी के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर, कई घायल

कोलकाता । कांग्रेस नेता और बंगाल के बरहामपुर से उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी के काफिले को एक ट्रक ने टक्कर मार दी. यह घटना तब हुई जब चौधरी पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले कांडी में अपना चुनाव प्रचार पूरा करने के बाद बहरामपुर लौट रहे थे. इस हादसे में कई सुरक्षाकर्मी और स्टाफ सदस्य घायल हो गए। इससे पहले अधीर चौधरी ने सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह उन्हें हराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी. दरअसल सीएम ममता बनर्जी ने बरहामपुर विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा निकाली. कांग्रेस प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी की पदयात्रा को लेकर कहा कि जहां तक मुझे याद है, ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद या बहरामपुर में कभी रोड शो नहीं किया है. तीन बार मुख्यमंत्री बनने के बाद भी इस बार उन्होंने अचानक यहां चुनावी अभियान क्यों शुरू कर दिया है. इससे एक चीज साफ है कि वह मुझे हराने के लिए कुछ भी कर सकती हैं।

सौराष्ट्र के अमरेली में लगातार भूकंपीय झटकों से दहशत, 5 घंटे में 8 बार हिली धरती

अमरेली । सौराष्ट्र के अमरेली जिले में मंगलवार देर रात से बुधवार सुबह तक धरती के अंदर हो रही असामान्य हलचलों ने लोगों में चिंता और कौतूहल दोनों बढ़ा दिए हैं। जिले के सावरकुंडला और खांभा पंथक में भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। सबसे अधिक असर मीतियाला और उसके आसपास के गांवों में देखा गया, जहां रात से सुबह 9 बजे तक महज 5 घंटे के भीतर 8 बार हल्के झटके महसूस किए गए। भाड, नानूड़ी, धजड़ी, साकरपारा, वांकिया, खांभा और इंगोराला जैसे कई गांवों में धरती हिलने से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

किसानों के लिए खाद सब्सिडी 4,317 करोड़ बढ़ी

1,350 में ही मिलेगा डीएपी बैग

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को 1.74 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स और प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में कृषि, ऊर्जा और शहरी परिवहन शामिल है। कैबिनेट ने खरीफ सीजन 2026 के लिए एनबीएस स्कीम को मंजूरी दी है। सरकार फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों करीब 41,533 करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह पिछले साल के बजट से करीब 4,317 करोड़ ज्यादा है। नई दरें 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक लागू रहेंगी।

सरकार के इस फैसले का मकसद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव से किसानों को बचाना है। कोरोना के बाद डीएवीपी की कीमतें तेजी से बढ़ी है, लेकिन सरकार ने किसानों के लिए खुदरा कीमत को 1,350 प्रति 50 किलो बैग पर स्थिर रखा है।

सरकार ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी प्रोजेक्ट के लिए संशोधित लागत को मंजूरी दे दी है। अब इस प्रोजेक्ट पर 79,459 करोड़ खर्च होंगे। राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थित यह रिफाइनरी 9 एमएमटीपीए क्षमता वाली होगी। ऑपरेशन जुलाई से शुरू हो सकते हैं।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मेट्रो विस्तार के लिए फेज-2 को मंजूरी मिल गई है। 13,038 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के तहत प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा। इससे जयपुर और आसपास के इलाकों में ट्रांसपोर्ट सिस्टम बेहतर होगा।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए कैबिनेट ने दो बड़े हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी है। 1,720 मेगावाट क्षमता वाले कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर 26,070 करोड़ खर्च होंगे।

मुरैना में रेत माफिया ने वन रक्षक को कुचला, आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार

मुरैना। पुलिस ने बताया कि अवैध रेत परिवहन की सूचना मिलने पर वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर ने उसे रोकने के लिए आगे बढ़ा, तभी विनोद कोरी ने उन्हें कुचल दिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई फोटो

पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं। घटना स्थल पर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल पहुंचे और प्रत्यक्षदर्शियों से बात की।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक का शव मुरैना जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वन विभाग और पुलिस टीम इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर रही है, जबकि आरोपी की तलाश जारी है। प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और रेत माफिया के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अवैध रेत परिवहन के किसी भी प्रयास की सूचना तुरंत पुलिस या वन विभाग को दें।

डोंगरिया पंचायत में रोजगार सहायक की लापरवाही पर बवाल

चार-पांच माह से कार्यालय नहीं पहुंच रहा रोजगार सहायक, 16 पंचों ने जताया आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्रिस्तरीय पंचायत राज के तीसरे क्रम वाली ग्राम पंचायतों में सरकारी योजनाओं को सुचारू रूप से लागू कराने और सरपंच व सचिव की सहायता के लिए सरकार ने पंचायतों में रोजगार सहायकों की नियुक्ति की है। जिससे ग्रामीणजनों को भी काफी मदद मिल रही है।किंतु जिला मुख्यालय के समीप व लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरिया एक ऐसी पंचायत है।जहां 4-5 महीनों से रोजगार सहायक पंचायत ही नही आ रहे है।जहां रोजगार सहायक ना होने से पंचायत के काम काफी हद तक प्रभावित हो चुके हैं।वही लोगों को मनरेगा योजना के तहत किए गए कार्य का भुगतान नहीं हो पा रहा है, तो वहीं आयुष्मान कार्ड , संबल कार्ड, केवाईसी सहित अन्य कार्य भी पूर्ण रूप से प्रभाव प्रभावित हो चुके हैं। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए पंचायत पदाधिकारियो द्वारा मामले की शिकायत जनपद व जिला पंचायत के अधिकारियों से की गई थी। जहां बार-बार की गई शिकायत के बावजूद भी रोजगार सहायक पंचायत वापस नहीं आया। जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए अब पंचायत बॉडी ने, पंचायत नहीं आने वाले रोजगार सहायक का उनकी पंचायत से तत्काल स्थानांतरण किए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर, सरपंच, उप सरपंच सहित सभी 16 पंचों के साथ सामूहिक रूप से इस्तीफा सौंपने की चेतावनी दी है।

लंबे समय से पंचायत नही आया रोजगार सहायक

शहर से सटे ग्राम पंचायत डोंगरिया में रोजगार सहायक धनराज बाजनघाटे की लंबे समय से अनुपस्थिति को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।बताया जा रहा है कि रोजगार सहायक पिछले चारङ्कपांच महीनों से नियमित रूप से पंचायत कार्यालय नहीं आ रहा है, जिससे पंचायत के कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस मामले को लेकर सरपंच सहित 16 पंचों ने कड़ा आक्रोश जताया है।

अधिकारियो की जांच में सही पाई गई शिकायत

उधर पंचायत प्रतिनिधियों ने इस संबंध में जिला पंचायत में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।जिनकी इस शिकायत के आधार पर बुधवार को जांच के लिए जिला पंचायत की टीम ग्राम पंचायत डोंगरिया पहुंची और मामले की जांच की।जांच के दौरान अपना पक्ष रखने के लिए रोजगार सहायक को भी पंचायत बुलाया गया था, लेकिन रोजगार सहायक इस जांच में शामिल नही हुआ। बताया गया कि रोजगार सहायक ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक छुट्टी ले ली है। वहीं अधिकारियों द्वारा की गई जांच के दौरान रोजगार सहायक की लंबे समय से अनुपस्थिति की शिकायत सही पाई गई। जिस पर अधिकारियों द्वारा रोजगार सहायक पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने का भरोसा दिलाया गया है।

मनरेगा और अन्य योजनाओं के काम प्रभावित

बताया गया कि रोजगार सहायक की गैरहाजिरी के कारण मनरेगा के तहत मजदूरों की उपस्थिति दर्ज करना, मस्टर रोल भरना, जॉब कार्ड से जुड़े कार्य, मजदूरी भुगतान की प्रक्रिया, निर्माण कार्यों की ऑनलाइन प्रविष्टि, पंचायत की योजनाओं की रिपोर्टिंग सहित कई प्रशासनिक काम प्रभावित हो रहे हैं। इससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। तो वहीं पंचायत के अन्य कार्य भी अटके पड़े हैं।

पंचायत बॉडी ने सामूहिक इस्तीफे की दी चेतावनी

उधर इस मामले की शिकायत करने,और जांच में शिकायत सही पाए जाने पर भी रोजगार सहायक पर वैधानिक कार्यवाही न होने पर सरपंच सहित 16 पंचों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दिए जाने की चेतावनी दी है। उन्होंने जांच पर पहुंचे अधिकारियों के समक्ष स्पष्ट कर दिया कि यदि रोजगार सहायक को पद से नहीं हटाया गया, इसका स्थानांतरण पंचायत से कर, दूसरा रोजगार सहायक नही दिया गया और उस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे सभी सामूहिक रूप से इस्तीफा देने को मजबूर होंगे। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि कर्मचारी की लापरवाही के कारण पंचायत के विकास कार्यों में बाधा आ रही है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।।

हम ऐसे रोजगार सहायक को पंचायत में रखना नहीं चाहते- योगेश्वरी टेम्भरे

ग्राम पंचायत डोंगरिया, वार्ड नंबर 8 पंच, श्रीमती योगेश्वरी टेम्भरे ने बताया कि हमारी पंचायत में रोजगार सहायक पिछले 5-6 महीनो से नहीं आए हैं लोग विभिन्न कार्यों के लिए पंचायत आते हैं लेकिन रोजगार सहायक ना होने के चलते बिना काम कराए ही वापस लौट रहे हैं।वहीं पंचायत के काम भी अधूरे पड़े हैं।रोजगार सहायक ना पंचायत आते हैं और ना ही हमारा फोन उठाते हैं। जब भी फोन उठाते हैं तबीयत खराब का बहाना कर देते हैं, कभी बोलते हैं की बीवी अस्पताल में भर्ती है इसलिए नहीं आ पाएंगे ऐसा करते हुए 5, 6 महीने बीत चुके हैं।इसके पूर्व ग्राम सभा हुई थी, उसमें सर्व सहमति से निर्णय लिया गया था कि रोजगार सहायक पंचायत नहीं आता तो ऐसे रोजगार सहायक धनराज बाजनघाटे का हमारी पंचायत में कोई काम नहीं है।इसीलिए हम पूरी पंचायत बॉडी सरपंच, उपसरपंच सहित सभी 16 पंचों की सहमति से इस रोजगार सहायक को पंचायत से हटाना चाहते हैं।

8-10 दिन में रोजगार सहायक को हटाने का मिला है आश्वासन-दीपचंद

वार्ड 07 पंच दीपचंद टेम्भरे ने बताया कि हमारी पंचायत में रोजगार सहायक करीब 6 महीनों से नही आया है। हर बार तबीयत खराब का बहाना करता रहता है।जिसकी शिकायत हमने पूर्व में जिला पंचायत सीईओ और जनपद पंचायत में की थी, लेकिन हमारी इस शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा था। जिस पर पुनः शिकायत की गई थी, उस शिकायत पर आज अधिकारी लोग जांच पर आए हैं। इस जांच में रोजगार सहायक की गलती पाई गई है। जिस पर अधिकारियों द्वारा रोजगार सहायक को हटाने के लिए 8 से 10 दोनों का समय मांगा गया है। हमें आश्वासन मिला है कि यहां से रोजगार सहायक को जल्द हटा दिया जाएगा।हमारी भी यही मांग है कि जो रोजगार सहायक पंचायत नहीं आता, पंचायत और ग्रामीणों के काम नहीं करता, ऐसे रोजगार सहायक की हमें भी जरूरत नहीं है, उसे तत्काल यहां से हटाया जाए।

तो पूरी पंचायत बॉडी देगी सामूहिक इस्तीफा- हस्तरेखा वारके

ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती हस्तरेखा वारके ने बताया कि यहां रोजगार सहायक लंबे समय से अनुपस्थित हैं कोई काम के लिए बोलो तो टालमटोल करते रहते हैं। पंचायत के कोई भी कार्य नहीं हो रहे हैं, जिसकी जांच के लिए आज अधिकारी आए तो रोजगार सहायक जांच पर भी उपस्थित नहीं हुआ।जब रोजगार सहायक आता ही नहीं, तो हम उसे पंचायत में रखकर क्या करेंगे,वह हमारे सर पर बोझ बन गया है।इसीलिए हम उसे यहां से हटाना चाहते हैं। यदि अधिकारी लोग उसे नहीं हटाते तो मै सरपंच, उप सरपंच,सभी 16 पंच सहित पूरी पंचायत बॉडी सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दे देगी।

उच्च अधिकारियों द्वारा की जाएगी वैधानिक कार्यवाही- इवने

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मामले की जांच पर पहुंचे पंचायत समन्वयक अधिकारी रूपेश इवने, ने बताया कि जिला पंचायत के माध्यम से रोजगार सहायक की शिकायत प्राप्त हुई थी कि वह पंचायत नहीं आ रहे हैं,जिससे आम लोगों के काम नहीं हो रहे हैं। यहां जांच पर आए तो कई सारे ग्रामीणों से शिकायत मिली है जैसे किसी का मकान बन गया है ,लेकिन उसका भुगतान नहीं हुआ है किसी का मकान ही नहीं बना है और मकान दर्शा दिया गया है, मनरेगा में मस्टरोल नहीं भरे हैं, मनरेगा की मजदूरी कई लोगों को नहीं मिली है। पंचायत रजिस्टर में भी उनकी उपस्थिति लंबे समय से दर्ज नहीं हुई है।हमे ग्राम रोजगार सहायक से भी इस मामले में कथन लेना है, लेकिन वे जांच में भी उपस्थित नहीं हुए हैं इसीलिए उन्हें नोटिस भेज कर उनके कथन लिए जाएंगे। पंचायत वाले बता रहे हैं कि 5 6 महीनो से वे पंचायत नहीं आए हैं। पंचायत के रजिस्टर में भी उनकी हाजिरी नहीं है,हम सबसे पहले नोटिस भेज कर मामले में रोजगार सहायक के कथन लेंगे। इसकी पूरी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौपी जाएगी।जहां उच्च अधिकारियों द्वारा मामले में जल्द ही वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु परीक्षा 19 अप्रैल को, 9 अप्रैल से मिलेंगे प्रवेश पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कार्यालय आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार जबलपुर संभाग स्तर पर संचालित ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, जबलपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने इस सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह परीक्षा 19 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 09 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)
दूरभाष-07633-254028,253028 ई-मेल- mowaraseoni@mpurbun.gov.in
क्रमांक / 1003/ लो.नि.वि./ PMAY 2.0 / न.पा.प./2026 वारासिवनी, तारीख 08/04/2026

सूचना
प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) योजनान्तर्गत हितग्राहियों की सूची दाव आपत्ति आमंत्रण

मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देशों के परिपालन में नगरपालिका परिषद वारासिवनी अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के तहत नवीन आवास निर्माण किये जाने हितग्राहियों द्वारा ऑनलाईन फार्म की प्रक्रिया को पूर्ण कर दस्तावेज कार्यालय में जमा किया गया है। जॉच उपरांत हितग्राहियों का चयन कर पात्र एवं अपात्र किया गया है। पात्र एवं अपात्र हितग्राहियों क सूची कार्यालय के सूचना पटल पर दावा आपत्ति प्राप्त किये जाने चस्पा की गई है। सूची चस्पा दिनांक से 07 दिवस के भीतर जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह आपत्ति कार्यालयीन समय पर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। समयावधी के पश्चात दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।
संलग्न- पात्र एवं अपात्र हिग्राहियों की सूची

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
जिला-बालाघाट(म.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत चांगोटोला
जनपद पंचायत बालाघाट(म.प्र.)
क्रमांक / 1 / ग्रा. प./2026 दिनांक 09/04/2026

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत चांगोटोला में वित्तिय वर्ष 2026-27 में वी वी.वी.जी. रामजी, मनरेगा, पंच परमेश्वर, पाँचवा वित्त, 14वां वित्त, 15 वां वित्त, आयोग, स्वकराधान मद, गौणखनीज मद, स्वच्छ भारत मद व अन्य मद से, स्टेशनरी विक्रय एवं मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत विभिन्न निर्माण कार्य हेत सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यों के लिए 09/04/26 से 14/04/26 तक नीचे लिखित सामग्री हेतु मुहरबद निविंदाए कार्यालयीन समय मे आमंत्रित है। निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत चांगो टोला मे जमा किया जाये तथा डाक दारा भेजे गए लिफाफे अंतिम ता. शाम 5 बजे तक मान्य किए जायेगे।

सामग्री- सिमेंन्ट, लोहा, गिट्टी, सीमेन्ट पाईप, लोहा पाईप, टीन, मिट्टी, मुरम, रेत, ईट, मिक्सर मशीन, ब्राइवेटर, पॉलीथिन, तार फेसिंग,, थर्माकोल, रोलर, वासबेसिन नल सहित, पेटींगकार्य, टाईल्स, गद्ध, (पेपरब्लाक) नल जल योजना. हेतु पाईप स्ट्रेट लाईट संबन्धी सामग्री एवं अन्य निर्माण कार्यों में उपयुक्त सामग्री का क्रय हेतु निविदा बन्द लिफाफे में कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायल चांगोटोला में आमंत्रित है।

निविदा के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्री प्रमोद ठाकरे सरपंच | **श्री जयराम उइके** उपसरपंच | **श्री दीपचन्द हनवते** सचिव
श्री हेमेन्द्र साकेत- रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत चांगोटोला जिला बालाघाट

विश्व नवकार दिवस आज

सामाजिक बंधुओ ने नगर में निकाली रैली, दिया आमंत्रण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले वर्ष, की भांति इस वर्ष भी भगवान महावीर जी के 2625 वे जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत 9 अप्रैल गुरुवार को विश्व नवकार दिवस का आयोजन किया गया है।जहा विश्व शांति की कामना के साथ,भारत सहित दुनिया के अन्य देशो और देश के विभिन्न केन्द्रो में एक साथ नवकार मंत्र के जाप होंगा।विश्व वंदनीय शासन नायक सारे जगत को अहिंसा, दया, क्षमा, शांति, मित्रता, जियो और जीने दो, का संदेश देने वाले भगवान महावीर का 2625 वे जन्म कल्याण महोत्सव के अवसर पर यहां आयोजन पिछले वर्ष की भांति नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में सुबह 8 से 9:30 बजे तक किया जाएगा। जिसकी तमाम जानकारी देने के लिए बुधवार को सामाजिक बन्धुओ द्वारा नगर के हृदय स्थल हनुमान चौक से काली पुतली चौक अहिंसा द्वार तक एक आमंत्रण रैली निकाली गई। यह आमंत्रण रैली नगर हनुमान चौक से मुख्य मार्ग होते हुए विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए काली पुतली चौक अहिंसा द्वार पहुंची। जहां इस रैली का समापन किया गया। इस रैली के माध्यम से सामाजिक बंधुओ ने विश्व नवकार दिवस के अवसर पर गुरुवार 9 अप्रैल को उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित नवकार महामंत्र जाप में उपस्थित रहकर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर वासियों को आमंत्रित किया।

पिछले वर्ष देश व दुनिया के 108 देशों में एक साथ किया था नवकार मंत्र का जाप

ज्ञात हो कि पिछले वर्ष भगवान महावीर जी का जन्म कल्याणक महोत्सव 9 अप्रैल को आया था।जिनके इस जन्म महोत्सव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिवर्ष 9 अप्रैल के दिन को विश्व नवकार दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिनकी इस घोषणा को विश्व के करीब 108 देशों ने सह-हर्ष स्वीकार करते हुए, एक साथ नवकार महामंत्र का जाप किया था।तभी से 9 अप्रैल को विश्व नवकार दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई थी। जिसके तहत ही पिछले वर्ष नवकार दिवस पर विश्व शांति की कामना के साथ 108 देशो और देश के 800 से ज्यादा केन्द्रो में एक साथ नवकार महामंत्र जाप का आयोजन किया गया था। जिसमें दिल्ली केन्द्र से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वर्चुअली जुड़े थे। जिसका लाईव प्रसारण भी, आयोजन स्थल में किया गया था। उसी तर्ज पर इस वर्ष भी इस आयोजन को भव्य रूप दिए जाने की योजना बनाई गई है।जिसके तहत गुरुवार 9 अप्रैल को सुबहा 8 बजे से 9.30 बजे तक नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में एक साथ सामाजिक बन्धुओ द्वारा नवकार माहमंत्र का जाप किया जाएगा।नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित विश्व नवकार दिवस पर नवकार महामंत्र जाप के किए गए जैन साध्वी, जनप्रतिनिधि और सामाजिक लोग एक साथ नवमकार मंत्र का जाप करेंगे।जिसमें दो हजार से अधिक सामाजिक लोगों के शामिल होने की बात कही जा रही है।

ताम्र नगरी मलाजखंड में ऐतिहासिक एमपीएल क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट सम्पन्न

किरिस वारियर बनी विजेता,जैगवार इलेवन को करना पड़ा हार का सामना

पद्मेश न्यूज। बिरसा। बिरसा तहसील के ताम्र नगरी मलाजखंड में आयोजित क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट का फाइनल मैच के साथ समापन किया गया। यह मलाजखंड का पहला भव्य नाइट टूर्नामेंट रहा,जहां आयोजित इस टूर्नामेंट ने इतिहास रच दिया।जिसमें पूरे जिले से हजारों की संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेने पहुंचे।र त्रिकालीन रोशनी में खेले गए इस टूर्नामेंट ने क्षेत्र में खेलों के प्रति नया उत्साह और ऊर्जा भर दी।जिसका

फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला किरिस वारियर और जैगवार इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। किरिस वारियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 94 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में जैगवार इलेवन ने जोरदार संघर्ष किया, लेकिन मुकाबला बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंचते हुए अंतत: किरिस वारियर ने 5 गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली।दोनों टीमों के कप्तान दिपक राऊत और रविभुरे के नेतृत्व में मैच में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली, जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

मुख्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक आयोजन में क्षेत्रीय विधायक संजय उइके, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता धुर्वे एवं उपाध्यक्ष हेमन्त साहु विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड से घटवार सर, के बाबाजी, अवदेश राजावत सहित अन्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।इस सफल आयोजन को संपन्न कराने में आयोजक अब्दुल शोहेल खान, दत्त राज पटले, हेमन्त भगत, संरक्षक ठाकुर दास बघेल एवं ताम्र नगरी के सभी अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने मिलकर इस टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बनाने में अहम भूमिका निभाई।

क्षेत्र में खेलों को मिला नया आयाम

मैच समाप्ति के बाद पुरुस्कार वितरण किया गया पहला इनाम एक लाख, और दुसरा ईनाम पचास हजार का क्षेत्रीय विधायक संजय उइके एवं मुख्य अतिथि की उपस्थिति में दिया गया।बताया गया कि यह क्रिकेट नाइट टूर्नामेंट न केवल एक खेल आयोजन रहा, बल्कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं को प्रेरित करने का बड़ा माध्यम भी बना। इस आयोजन की सफलता ने आने वाले समय में ऐसे और बड़े आयोजनों की उम्मीद जगा दी है।

आवश्यकता है
बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।
मो. 9479309233

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.
रा.प्र.क्र./0063/3-154/वर्ष 2025-26
साकिन:-कान्द्रीकला प.ह.नं. 67
रा.नि.म. सेवती तहसील किरनापुर

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुनेश्वर पिता मोहन जाति कुनबी निवासी ग्राम कान्द्रीकला द्वारा अपने पिताजी मोहन पिता सोविंदा की मृत्यु दिनांक 28/05/2005 को ग्राम कान्द्रीकला में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 08/04/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में कक्षा 9वीं में प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अप्रैल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में कक्षा नवमीं में प्रवेश के लिए चयनित छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। प्रभारी प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा स्क्क्स्हस के माध्यम से 8 फरवरी 2026 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 9 मार्च 2026 को जारी किया गया। चयन सूची स्क्क्स्हस एवं विद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रथम चयन सूची में शामिल छात्र-छात्राओं को 13 अप्रैल 2026 तक, कार्यालयीन दिवसों में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच विद्यालय से प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना अनिवार्य है। आवश्यक दस्तावेजों में प्रवेश परीक्षा की अंकसूची (प्रिंट आउट), समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं निर्धारित शुल्क शामिल हैं। प्राचार्य श्री शरद ज्योतिषी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के बाद प्रथम सूची के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के आधार पर 15 अप्रैल 2026 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कोहकाडिबर में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने किये हमला

पूर्व सरपंच आशीष लिल्हारे सहित चार लोग घायल, तीन घायल का गोंदिया में चल रहा है इलाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले का हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोहकाडिबर में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने हमला करते हुए इस ग्राम के सरपंच लक्ष्मी लिल्हारे के पति पूर्व सरपंच आतिश लिल्हारे सहित चार लोगों को तलवार लाठी डंडे से मार कर घायल कर दिये। 7 अप्रैल की रात्रि यह वारदात किसी आपसी रंजिश के चलते हुई। गंभीर रूप से घायल आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद बिरनवार को गोंदिया के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है। दो घायल शिवचरण नगपुरे 30 वर्ष और विक्की पिछोड़े 22 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। इस घटना की सूचना मिलते ही हट्टा पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। ग्राम कोहकाडिबर निवासी आतिश लिल्हारे जो किअपने गांव के सरपंच रह चुके हैं। जिनकी गांव के ही लोगों से पूर्व रंजिश बनी हुई थी और इन लोगों का मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। 7 अप्रैल की रात 11ः00 बजे करीब जब जमुना प्रसाद बिरनवार गांव के चौक में थे। तभी विवाद के चलते कुछ लोगों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिए थे। खबर मिलते ही आतिश लिल्हारे शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े चौक पहुंचे देखें। जमुना प्रसाद बिरनवार घायल हालत में पड़े हुये थे। तीनो उसे उठाकर घर ले जा रहे थे। तभी माता मंदिर के पास मोके की ताक मे बैठे आधा दर्जन से अधिक लोगों ने एकाएक हमला कर दिए और चारों को लाठी डंडे तलवार से मार कर घायल कर दिए। हल्ला होने पर गांव मोहल्ले के लोग दौड़े। तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। इस वारदात में जमुना प्रसाद बिरनवार और आतिश लिल्हारे गंभीर रूप से घायल हो गए वहीं शिवचरण नगपुरे, विक्की पिछोड़े इस वारदात में घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल जमुनाप्रसाद बिरनवार और आतिश लिल्हारे को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं अन्य घायल शिवचरण नगपुरे और विक्की पिछोड़े को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया था। जहां से अत्यधिक चोट लगने से घायल शिवचरण नगपुरे को भी हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस वारदात में विक्की पिछोड़े को मामूली चोटे आई थी। तीनों घायल आतिश लिहारे, जमुना प्रसाद बिरनवारऔर शिवचरण नगपुरे को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां पर आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद बिरनवार का ऑपरेशन किया गया है दोनो की हालत गंभीर बताई गई है। जिला अस्पताल पुलिस ने रात्रि में ही इस घटना के संबंध में हट्टा पुलिस को सूचित करदिए थे। वहीं वारदात की सूचना मिलते ही हट्टा पुलिस ने गोंदिया पहुंचकर भी पूछताछ कर आवश्यक कार्रवाई की हमलावरों में योगेश बिसेन, राजेंद्र मसखरे, शैलेंद्र मसखरे, राजू बिरनवार, गुड्डु बिरनवार, महेश पिछोड़े, घनश्याम बिरनवार, बताए गए हैं हट्टा पुलिस इस वारदात को गंभीरता से लेकर जांच पड़ताल कर रही है।

मोतीनगर में शराब दुकान के खिलाफ उग्र हुआ विरोध

हवन-पूजन और हनुमान चालीसा पाठ से जताई नाराजगी, दूसरे दिन भी जारी रहा धरना, महिलाओं के साथ नपाध्यक्ष पहुंचीं कलेक्टर कार्यालय, स्थान परिवर्तन को लेकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मोती नगर चौक, वार्ड क्रमांक 25 में प्रस्तावित शराब दुकान को हटाए जाने की मांग को लेकर महिलाओं का विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। क्षेत्र की महिलाओं ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर दुकान के विरोध में धरना जारी रखा और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। इस विरोध में महिलाओं के साथ नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं की मांग का समर्थन करते हुए कलेक्टर बालाघाट से दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर चर्चा की और ज्ञापन भी सौंपा। महिलाओं का कहना है कि रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान खुलने से सामाजिक वातावरण खराब होगा और इससे परिवारों, विशेषकर बच्चों व महिलाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। हालांकि, कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद भी शाम तक इस मामले में कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया, जिससे महिलाओं में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने स्पष्ट किया है कि जब तक शराब दुकान को इस स्थान से हटाया नहीं जाता, तब तक उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

शहर के वार्ड क्रमांक 25 मोती नगर चौक में सुरभि नगर वार्ड 24 से स्थानांतरित की गई शराब दुकान के खिलाफ विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। 7 अप्रैल से शुरू हुआ यह विरोध 8 अप्रैल को भी पूरे दिन जारी रहा, जिसमें वार्ड क्रमांक 25 सहित आसपास

के वार्डों की बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं ने शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। पहले दिन जहां हवन-पूजन कर विरोध जताया गया, वहीं दूसरे दिन हनुमान चालीसा का पाठ कर अपनी नाराजगी व्यक्त की गई। प्रदर्शन के दौरान कई महिलाएं रात में भी दुकान के सामने डटी रहीं । इतना ही नहीं, 8 अप्रैल को भी महिलाओं ने मौके पर ही भोजन की व्यवस्था कर प्रदर्शन जारी रखा। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना है कि जब तक शराब दुकान को यहां से हटाया नहीं जाता, वे पीछे नहीं हटेंगी। उनका आरोप है कि रहवासी क्षेत्र में इस तरह दुकान संचालित होने से क्षेत्र का वातावरण प्रभावित होगा और बच्चों तथा परिवारों पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। इसी बीच 8 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर वार्ड की महिलाओं के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर से चर्चा कर समस्या से अवगत कराया। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि कलेक्टर द्वारा वैकल्पिक स्थान की तलाश की जा रही है, जो निर्धारित मापदंडों के अनुरूप हो। साथ ही नगर पालिका से भी सुझाव मांगे गए हैं कि यदि उनके पास कोई उपयुक्त स्थान हो, तो प्रस्ताव दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे नहीं चाहतीं कि शहर के किसी भी रहवासी वार्ड में शराब दुकान संचालित हो। ऐसी दुकानों को शहर से बाहर स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि आमजन का जीवन प्रभावित न हो। समन्वय को लेकर उठ रहे सवालों पर भी उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 24 की दुकान को वार्ड 25 में स्थानांतरित करने में किसी भी जनप्रतिनिधि की सहमति नहीं है। यदि कोई इस प्रकार का आरोप लगाता है, तो उसे लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वर्तमान में जहां दुकान खोलने का प्रस्ताव है, वह पूर्णतः रहवासी क्षेत्र है, जहां सामने गार्डन और स्कूल भी स्थित हैं। ऐसे में यहां शराब दुकान खोलना उचित नहीं है। उन्होंने दोहराया कि वे महिलाओं के आंदोलन के साथ हैं और शराब दुकान के स्थान परिवर्तन के पक्ष में हैं।

लिपिक संघ की बैठक संपन्न, स्वर्ण जयंती में शामिल होने का आव्हान

वर्षों से लंबित विभिन्न मांगो को पूरी कराने की बनाई रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार को जिला कोषालय कार्यालय में मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ बालाघाट की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। संगठन के प्रांताध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी, के आव्हान पर आयोजित इस बैठक में लिपिक वर्गों की वर्षों से लंबित विभिन्न मांगों पर सहविस्तार चर्चा की गई। वहीं बैठक के दौरान समीर पाराशर, जिला अध्यक्ष, म.प्र. लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ, बालाघाट द्वारा बताया गया कि संघ के 45 वर्ष होने पर भोपाल में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के आतिथ्य में इसी माह अप्रैल में यह आयोजन प्रस्तावित है समारोह की प्रारंभिक तैयारियों के तहत जिले में लिपिकों की बैठक आज 08अप्रैल को

कोषालय, बालाघाट (कलेक्टर परिसर), में आयोजित की गई है । ताकि लिपिकों की विभिन्न मांगो को उच्च स्तर पर रखा जा सके। जिन्होंने सभी लिपिक से स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होने के साथ-साथ वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने के लिए आवाज बुलंद करने की भी अपील की, उन्होंने बताया कि मंत्रालय सहित, विभागाध्यक्ष एवं अधिनस्थ कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 को ऑपरेटर/सह लिपिक को समान कार्य समान वेतन दिया जाने, अनुकंपा नियुक्ति दी जाने, वही 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन के प्रावधानों में माननीय न्यायालय के निर्णय का शीघ्र पालन किया जाने, पुरानी पेंशन बहाल किए जाने सहित समयमान वेतनमान कि प्रमुख मांगे लंबित है।जिन्हें स्वर्ण जयंती समारोह में रखकर उन्हें पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। बुधवार को आयोजित इस बैठक में यानेन्द्र सिंह मर्सकोले, उपेन्द्र नेवारे, देव चचाने, उदय शर्मा, छबी नागेश्वर, भरतलाल चौहान, एन.एल. पालेवार, सी.आर. तुसलीकर, इम्बरोज खान, सुखचंद टेंभरे, दिनेश टेकाम, सिद्धार्थ रामटेके, जितेन्द्र सहारे, वैभव परमार, सहित विभिन्न लिपिक कर्मचारी उपस्थित रहें।

सड़क किनारे टाइगर मृत होने की अफवाह से मचा हड़कंप

मौके पर पहुंचा अमला तो मिला जंगली बिल्ली का शव

बालाघाट-बैहर मार्ग के बीच पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे का मामला

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बालाघाट नगर घने जंगलों से घिरा हुआ है जिसके चलते अक्सर वन्य प्राणी नगर के

आसपास देखने को मिल जाते हैं।लेकिन बुधवार की दोपहर उस समय अफवाहों को दौर तेजी से फैल गया जब किसी ने बालाघाट-बैहर मार्ग पर संचालित पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे झाड़ी में सड़ी-गली अवस्था में वन्यप्राणी बाघ के मृत पड़े होने की जानकारी दी।यह जानकारी स्थानीय लोगो द्वारा डायल 112 पुलिस तक पहुंचाई गई, नगरीय क्षेत्र के अंदर बाघ के मृत होने की सूचना ने बड़े तेजी वन अमले के होश उड़ा दिए और आनन-फानन में वन अमला भी मौके पर पहुंच गया। लेकिन जब मौके की जांच की गई तो वहां पर बाघ का शव नहीं बल्कि एक जंगली बिल्ली का शव पाया गया।

मौके पर पहुंच वन अमले ने जब मृत पड़े वन्यप्राणी के शव का बारीकी से निरीक्षण किया तो पता चला कि यह शव बाघ का नहीं बल्कि जंगली बिल्ली का है, और काफी दिनों पुराना होने के चलते फूल गया है, जिससे उसे लोगों ने बाघ समझ लिया और बाघ के मृत होने की सूचना से अफवाहों का दौर भी शुरु हो गया। हालांकि मौके पर मौजूद वन अमले ने जंगली बिल्ली के शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई को पूर्ण किया है।

चिकित्सीय प्रशिक्षण, कर किया गया अंतिम संस्कार

ज्ञात हो कि जिस स्थान पर जंगली बिल्ली का शव मिला है, वह स्थान नगरीय क्षेत्र वार्ड क्रमांक 04 के साथ ही दक्षिण वन मंडल सामान्य वन परिक्षेत्र अंतर्गत आता है।यहां बरामद किया गए शव का वन अमले द्वारा चिकित्सीय प्रीक्षण कराया गया। जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया।वही मामले में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया हैं। मामले के संबंध में सही जानकारी के लिए दक्षिण वन मंडल सामान्य की एसडीओ को फोन लगाकर जानकारी प्राप्त करनी चाही गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

बाघ का शव होने की मिली थी सूचना-हिमांशु

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान दक्षिण वनपरिक्षेत्र (सामान्य) रेंजर हिमांशु राय,ने बताया कि सड़क किनारे बाघ का शव होने की सूचना पूरी तरह से गलत है, वहां पर जंगली बिल्ली का शव मिला है, जिसे बरामद किया गया है, चिकित्सक परीक्षण करवाकर मामले को विवेचना में लिया गया है, लोगों से अपील है कि पहले विस्तृत जानकारी ले ले इस तरह की अफवाह फैलाने से बचे।

लगातार तूल पकड़ रहा कचरा संग्रहण पर टैक्स का मामला

नया टैक्स वसूली के निर्णय का पूर्व नपा उपाध्यक्ष ने किया विरोध, कलेक्ट्रेट व नपा सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर जताई आपत्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगरपालिका द्वारा घर घर गाड़ी भेजकर कचरा संग्रहण पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें घरों से कचरा लेने पर 50 रूपये व प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण का 100 रूपये टैक्स वसूलने की नपा तैयारी में है। यहा मामला जैसे ही प्रकाश में आया,वैसे ही कचरा संग्रहण पर टैक्स लगाने का विरोध भी शुरू हो चुका है और कचरा संग्रहण के नाम पर टैक्स यह मामला नगर में लगातार तूल पकड़ता नजर आ रहा है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय जनता ने जहां एक ओर कचरा संग्रहण के नाम पर अतिरिक्त शुल्क न वसूले जाने की मांग की है, तो वही पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष ने नगर पालिका के इस निर्णय का विरोध करते हुए कलेक्टर बालाघाट और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम एक ज्ञापन भी सौपा है। जिसमें उन्होंने कचरा संग्रहण के नाम पर टैक्स वसूली की बनाई जा रही प्लानिंग को तत्काल रद्द किए जाने की मांग की है, तो वहीं उन्होंने इस मामले में शहर की जनता को भी एकजुट होकर विरोध करने का आह्वान किया है।

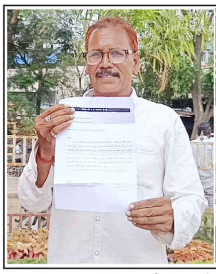

2021 में भी लागू किया गया था टैक्स, कांग्रेस के भारी विरोध के चलते किया गया स्थगित

आपको बताएं कि घरों और प्रतिष्ठानों में गाड़ी भेज कर कचरा एकत्र करने के नाम पर अतिरिक्त टैक्स वसूली का यह कोई नया नियम नहीं है, बल्कि वर्ष 2021 में भी ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के नाम पर यह टैक्स नगर की जनता पर थोपा गया था।लेकिन उस समय कांग्रेसी पार्षदों ने नगर पालिका के इस टैक्स का जमकर विरोध किया था, जिसके चलते इस टैक्स की वसूली पर आगामी समय तक के लिए रोक लगा दी गई थी।लेकिन अब पुनः ठोस अपशिष्ट प्रदार्थ प्रबंधन के नाम पर यह टैक्स वसूलने का प्लान बनाया जा रहा है। आपको बताएं कि उस समय प्रत्येक घर व प्रतिष्ठानों से प्रतिमाह 125 रुपए का टैक्स वसुलने का निर्णय लिया गया था। जिसका स्थानीय जनता व पार्षदों ने जमकर विरोध किया था। इसके बाद अपने इस फैसले को बदलते हुए नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन 1रु के हिसाब से साल में 365 रुपए के टैक्स वसूली का निर्णय लिया गया था। एक जानकारी के अनुसार 30 सितंबर 2021 को एक अखबार के माध्यम से नगर पालिका प्रबंधन द्वारा इसकी सूचना आम नागरिकों को दी गई थी, इसके बाद अक्टूबर माह से ही नगर में इस नए टैक्स का जमकर विरोध हुआ था ,जहां कांग्रेसी पार्षदों ने भी नगर पालिका के समक्ष जमकर हंगामा मचाया था।उधर आम जनता और विपक्षी पार्षदों के भारी विरोध के चलते इस निर्णय को नगर पालिका ने वापस ले लिया था और इस टैक्स को बाद में लागू किए जाने की बात कही गई थी। वही टैक्स अब 2026 से पुनः लागू किए जाने का प्लान बनाया जा रहा है। जिसका विरोध भी नगर में देखने को मिल रहा है।

इस टैक्स का विरोध किया जाएगा- एडे

स्थानीय नागरिक धन्नालाल एडे ने बताया की दिनों दिन आवश्यक वस्तुओं के दामों में हो रही मूल्य वृद्धि से आम जन परेशान है, बावजूद इसके नपा द्वारा कचरा संग्रहण के नाम पर टैक्स वसूलने का निर्णय दुबले पर दो आषाढ़ वाली कहावत को चरित्रार्थ कर रहा है। नपा प्रशासन जनता को पर्याप्त मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं दे पा रही है। कचरा गाड़ी भी नियमित घरों में नहीं पहुंचती है। वहीं कचरा संग्रहण के नाम पर हर माह राशि वसली जाती है तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

गरीब जनता पर अतिरिक्त बोझ डालना न्यायोचित नहीं है-गीता झारिया

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रहणी श्रीमती गीता झारिया ने बताया कि नपा द्वारा जो घरों से कचरा संग्रहण के नाम पर हर माह 50 रूपये लिए जाने का जो निर्णय है वह गलत है। नपा की हर दिन कचरा गाड़ी मोहल्ले में नहीं पहुंचती है। हमारे द्वारा नपा को हर वर्ष संपत्ति कर के साथ समेकित कर, सफाई कर, शिक्षा कर सहित अन्य करों का भुगतान किया जाता है। वैसे ही महंगाई की मार से घरों की रसोई का बजट बिगड़ गया है इसके बावजूद नपा द्वारा इस तरह का अतिरिक्त आर्थिक बोझ गरीब जनता पर डालना न्यायोचित नहीं है। इसका विरोध किया जाएगा।

आम जनता ने एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए-अनिल सोनी

पूर्व नपा उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने मुख्य नपा अधिकारी को ज्ञापन देकर कचरा संग्रहण का टैक्स लिए जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे लागू नहीं किए जाने की मांग की है। इस संबंध में पूर्व नपा उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने कहा कि नगरपालिका द्वारा शहरवासियों से संपत्तिकर, समेकित कर, शिक्षा कर, जलकर, उपकर, सफाई कर सहित अन्य करों का भुगतान प्रति वर्ष वसूल रही है। जल कर में भी 60 रूपये प्रतिमाह से 100 रूपये कर दिया गया है। वहीं संपत्ति कर में भी वृद्धि की गई है। बावजूद इसके कचरा संग्रहण के नाम पर घरों व प्रतिष्ठानों से हर माह कर वसूली किए जाने का निर्णय गलत है। जनता वैसे ही पहले ही आवश्यक वस्तुओं के दामों में हो रही वृद्धि से त्रस्त है। नपा द्वारा शहरवासियों को पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है। हर वार्ड में हर दिन लोगों के घरों में कचरा संग्रहण वाहन नहीं पहुंच पाता है। पर्याप्त मात्रा में नलों से भी पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसके बावजूद भी जनता हर वर्ष नपा को करों का भुगतान कर रही है। ऐसे में कचरा संग्रहण के नाम पर आमजनों से व व्यवसायियों से कचरा संग्रहण के नाम पर अतिरिक्त कर वसूली का निर्णय आमजनों की भावना के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि उक्त कर को नपा प्रशासन द्वारा लागू किया जाता है तो वे जनता के साथ सडक पर उतरकर आंदोलन करने बाध्य होंगे। उन्होंने शहर की जनता से भी अपील की है नपा के द्वारा करों के नाम पर इस तरह की जो मनमानी की जा रही है उसके खिलाफ एकजुट होकर आवांज बुलंद करें।

आस-पास की खबरें

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का किया आत्मीय स्वागत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय लालबर्रा में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया का मंगलवार की रात में लालबर्रा आगमन

होने पर सिवनी मार्ग स्थित पेट्रोल पंप में पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि मंगलवार को प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया जी का एक दिवसीय जिला बालाघाट दौरा था। जहां उन्होंने युवा एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों से भेंट की और मंगलवार की रात्रि में बालाघाट से भोपाल लौटते समय प्रदेश अध्यक्ष श्री घनघोरिया लालबर्रा स्थित सरपंच अनीस खान के प्रतिष्ठान पेट्रोल पंप में सौजन्य भेंट व चर्चा हेतु रूके थे जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर लालबर्रा सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती, सुमित स्वामी, वरिष्ठ कांग्रेसी नितिन सांखला, रामनाथ सोनी, अशोक जैन, ऋतिक कटारे, राजू मेहरबान, सुनील अवधिया, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा, ब्लाक युवा कांग्रेस अध्यक्ष लालबर्रा, शुभम गुप्ता, सोलंकी सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

ददिया आंगनवाड़ी केन्द्र में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 एवं 2 में परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे एवं सेक्टर

पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर तृप्ति पाठक के द्वारा कुपोषित एवं बीमार बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही ब' चों में प्रारंभिक विकलांगता एवं बीमारी की पहचान की गई। वहीं कुपोषित ब' चों को एनआरसी में भर्ती करवाने हेतु अभिभावकों को परामर्श भी दिया गया और मल्टीविटामिन, एमोक्सीसिलिन, कृमिनाशक आदि दवाइयों का वितरण किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निशा हिरकने, ममता राहंगडाले, सहायिका संपति पंचेश्वर, गंगा नामूर्ते सहित ब' चें एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वीकृति के बाद भी नहीं खुला आईटीआई, लालबर्रा के युवाओं में आक्रोश

भूमि चयन और भवनों के निरीक्षण के बाद भी प्रक्रिया अटकी, बाहर जाकर पढ़ने को मजबूर विद्यार्थी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के दावे लालबर्रा क्षेत्र में कागजी साबित हो रहे हैं। शासन स्तर से नगर मुख्यालय में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की स्वीकृति मिलने और आदेश जारी होने के एक वर्ष बाद भी अब तक संस्थान का शुभारंभ नहीं हो सका है। आलम यह है कि नया शिक्षण सत्र जल्द शुरू होने वाला है लेकिन लालबर्रा में एक वर्ष पूर्व मिली स्वीकृति के बाद भी अब तक आईटीआई शुरू करने की प्रक्रिया प्रारंभ नही हुई है। इस तरह से शासन-प्रशासन की इस लेट-लतीफी के कारण स्थानीय युवाओं में गहरा रोष व्याप्त है और जल्द लालबर्रा में शासकीय आईटीआई खोलने की मांग की है। ताकि क्षेत्र के विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सके। वहीं एक वर्ष पूर्व स्वीकृति मिलने एवं आईटीआई का संचालन हेतु भवन का निरीक्षण करने के बाद भी नही खुलने से क्षेत्र के युवा मजबूरी में बाहर जाकर पढ़ाई करने मजबूर है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस मांग की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सभी में आक्रोश व्याप्त है।

निरीक्षण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

आपकों बता दे कि गत वर्ष मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ लालबर्रा में भी आईटीआई खोलने की आधिकारिक स्वीकृति दी गई थी। स्वीकृति पत्र जारी होने के बाद स्थानीय विधायक, प्रशासनिक अधिकारियों और आईटीआई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने लालबर्रा मुख्यालय पहुंचकर शासकीय भूमियों का निरीक्षण किया था एवं नवीन आईटीआई भवन, छात्रावास निर्माण सहित अन्य विषयों पर विचार विमर्श किया गया था और जब तक भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत नहीं हो जाती। तब तक वैकल्पिक रूप से आईटीआई किसी शासकीय भवन में संचालित करने के लिए मुख्यालय के विभिन्न सामुदायिक भवनों का निरीक्षण भी किया गया था। ताकि तत्काल कक्षाएं संचालित की जा सकें। वहीं अधिकारियों ने लालबर्रा मुख्यालय के कुछ सामुदायिक भवनों का निरीक्षण कर जगह देख ली, भवन चुन लिए और बड़े-बड़े आश्वासन दिये थे कि जल्द शासकीय आईटीआई का संचालन किया जायेगा। लेकिन जल्द ही नवीन सत्र शुरू होने वाला है लेकिन अब तक आईटीआई की कक्षाएं शुरू करने की प्रक्रिया प्रारंभ तक नही हो पाई है , न ही किसी प्रकार की चर्चा हो रही है कि नवीन सत्र से आईटीआई शुरू होगा। इस तरह से स्वीकृति पत्र एवं संचालन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों का भवनों का निरीक्षण करने के बाद आईटीआई शुरू नही होने एवं प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा क्षेत्र के विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

महंगी शिक्षा और पलायन की मार

लालबर्रा में सरकारी आईटीआई शुरू न होने के कारण गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के युवाओं के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। तकनीकी शिक्षा की चाह रखने वाले युवाओं को मजबूरन निजी संस्थानों (प्रायवेट कालेजों) में भारी-भरकम फीस देकर प्रवेश लेना पड़ रहा है। वहीं जो छात्र आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें जिले के बाहर या अन्य शहरों में जाकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। इससे उन पर रहने और खाने का अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। वहीं स्थानीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा न मिलने से युवा कौशल विकास से पिछड़ रहे है। क्षेत्र के युवा एवं जागरूक नागरिकों ने शासन-प्रशासन से कड़ी नाराजगी जताते हुए मांग की है कि स्वीकृत आईटीआई को तत्काल प्रभाव से शुरू किया जाये। वहीं युवाओं का कहना है कि यदि जल्द ही वैकल्पिक भवन में कक्षाएं और प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की गई तो कठोर कदम उठाने बाध्य होना पड़ेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन कब नींद से जागता है और लालबर्रा के युवाओं का तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का सपना कब साकार होता है।

औद्योगिक शिक्षा से वंचित हो रहे गरीब वर्ग के युवा - अखिलेश

अखिलेश देशमुख ने बताया कि समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली थी कि एक वर्ष पूर्व लालबर्रा में शासकीय आईटीआई की स्वीकृति मिल चुकी है और जिसके संचालन के लिए सामुदायिक भवनों का निरीक्षण भी किया गया था एवं भवन निर्माण के लिए रामजीटोला में भूमि का चयन भी किया जा चुका था। लेकिन अब तक आईटीआई नहीं खुल पाई है न ही कक्षाएं संचालित हो पा रही है जिससे क्षेत्र के गरीब वर्ग के युवा औद्योगिक शिक्षण से वंचित हो रहे है। साथ ही लालबर्रा में शासकीय आईटीआई नही होने से प्रायवेंट संस्थानों में प्रवेश लेकर औद्योगिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिससे उन्हें आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

जल्द खोला जाये आईटीआई - अंकित

अंकित पिपलोद ने बताया कि आईटीआई स्वीकृति की घोषणा हुए एक सत्र बीत चुका है, दूसरा सत्र प्रारंभ होने वाला है। लेकिन अब तक लालबर्रा में आईटीआई नहीं खुल पाया है। जिससे हमारे आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण परिवेश की युवा औद्योगिक शिक्षण के वंचित है। लालबर्रा में आईटीआई खुलता है तो मध्यम परिवार के युवा औद्योगिक शिक्षा प्राप्त कर स्वयं का रोजगार स्थापित कर रोजगार प्राप्त कर सकते है। श्री पिपलोद ने बताया कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्थाई रूप से शासकीय आईटीआई खोलने के लिए भवन का निरीक्षण भी किया था। लेकिन कुछ नही हुआ है, हमारी मांग है कि जल्द लालबर्रा में शासकीय आईटीआई खोला जाये।

आईटीआई नही खुलने से ठगा महसूस कर रहे युवा - किशोर

शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल ने बताया कि पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन जी के प्रयासों से लालबर्रा में विभिन्न सौगात मिली थी। जिसमें लालबर्रा में एक शासकीय आईटीआई की स्वीकृति भी थी परंतु क्षेत्र के लोगों का दुर्भाग्य कि वह चुनाव हार गये और स्वीकृति के बाद भी अब तक क्षेत्रीय विधायक लालबर्रा में आईटीआई नहीं खुलवा पाई है। जिससे हमारा शिक्षित बेरोजगार युवा औद्योगिक शिक्षण से वंचित है और ठगा महसूस कर रहे है। श्री पालीवाल ने बताया कि लालबर्रा में शासकीय आईटीआई की पूर्व में स्वीकृति मिल चुकी है तो जल्द से जल्द लालबर्रा में आईटीआई का संचालन प्रारंभ किया जाये ताकि युवा वर्ग को उसका लाभ मिल स के।

लालबर्रा से समनापुर मार्ग के दोनों ओर सीसी नाली की स्वीकृति पर क्षेत्रीय विधायक का आभार - मनीष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि लालबर्रा मुख्यालय के समीप ग्राम अमोली से समनापुर सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ है और विगत दिनों वार्डों की जल निकासी की मूलभूत समस्या के बादल मंडरा रहे थे। जिससे सभी में जनआक्रोश देखा गया। इस समस्या को क्षेत्रीय विधायक ने प्रमुखता से लेते हुए सड़क निर्माण कार्य के निरीक्षण कर जल निकासी की समस्या को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण के दोनों ओर सीसी नाली निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मुंजारे ने बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर अन्य स्थान पर लगवाने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित भी किया है। श्री कुशवाहा ने बताया कि विधायक महोदया ने जन समस्याओं को देखते हुए उक्त कार्यों को अत्यंत आवश्यक समझा। जिसके फलस्वरूप संबंधित विभाग से नाली निर्माण के लिए अतिरिक्त बजट की मांग की है। जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर व्याप्त है। नाली निर्माण की स्वीकृति मिलने पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का आभार व्यक्त करने वालों में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा,

शिवकुमार गोलछा, जयंतीलाल सुराना, श्रीमती पूनम कुशवाहा, सुनील यादव, गोलु नागेश्वर, नैतिक कुशवाह, डोंगरूलाल मानेश्वर, राजाराम पंचेश्वर, दीपक तोमर, कत्तूलाल कावरे, रामेश्वर कावरे, मानक भाऊ, जयचंद पंचेश्वर, इमरान खान, महबूब खान, आरिफ भाई, रहमान खान, नकील बल्लु खान, शकिर खान, सलाम कुरैशी, महेश यादव, गणेश यादव, अमित लाहोरी, सलाम कुरैशी, महेश यादव, गणेश यादव, ग्यारसी यादव, जिशान खान, अशोक यादव, सावत पंचेश्वर, संजय सर्राठे, नूरकलाम, हाजी अनवर कुरैशी, सलाम हाफीज, धन्नु, राजा खान, अनवर खान सहित अन्य वार्डवासी व ग्रामीणजन शामिल है।

अखिल भारतीय लोधी समाज की बैठक संपन्न

हाई स्कूल मार्ग में वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए किया जायेगा भूमिपूजन 14 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में बुधवार को अखिल भारतीय लोधी समाज लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक अखिल भारतीय लोधी समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन करने, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। वहीं बैठक में निर्णय लिया गया है कि 14 अप्रैल को हाई स्कूल मार्ग बस स्टैण्ड के पीछे वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे के प्रमुख आतिथ्य में संपन्न किया जायेगा। साथ ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। चर्चा में अखिल भारतीय लोधी समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि गत दिवस पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपकर मुख्य मार्ग बस स्टैण्ड से हाई स्कूल की ओर जाने वाली सड़क के

डिवाइडर पर स्थित रिक्त भूमि के कोने (कॉर्नर) पर प्रतिमा स्थापना करना चाहते हैं। स्थान प्रदान कर इस कार्य में सहयोग करने की मांग की गई थी और उन्होने हमें आश्वास्त किया गया है। समाज के द्वारा आगामी 14 अप्रैल को वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया जायेगा जिसकी तैयारी के संबंध में बैठक में चर्चा कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि मेन चौक पर वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना होने से उन्होने देशहित में किस तरह से कार्य किये है उन्हे याद कर सभी उनकी प्रतिमा से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेगें और देशहित में बेहतर काम करेगें इसी मंशा से प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। चर्चा में अखिल भारतीय लोधी समाज के डॉ सोमालाल बघेल ने बताया कि लालबर्रा नगर मुख्यालय में वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा स्थापना के लिए स्थान मिल चुका है और आदमकद प्रतिभा स्थापित किया जाना है। जिसके लिए 14 अप्रैल को भूमिपूजन किया जायेगा। बैठक में भूमिपूजन कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई है। इस अवसर पर अखिल भारतीय लोधी समाज लालबर्रा के सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लालबर्रा में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा भारी उत्साह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मंगलवार की रात करीब 10 बजे नगर मुख्यालय लालबर्रा की धरा पर भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का प्रथम आगमन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। इस दौरान ब्लॉक युवा कांग्रेस के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष का काफिला विश्राम गृह के समीप पहुंचा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और युवा कांग्रेस जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उनका गर्मजोशी के स्वागत व सम्मान किया। वहीं स्वागत कार्यक्रम के पश्चात प्रदेशाध्यक्ष श्री घनघोरिया ने स्थानीय कार्यकर्ताओं से संवाद किया। साथ ही मुख्य रूप से पार्टी हित और आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। वहीं युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष श्री घनघोरिया ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर कहा कि युवा ही संगठन की रीढ़ हैं और हमें जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना होगा। साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने और नये युवाओं को विचारधारा से जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के विभिन्न विंगों के पदाधिकारी-कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विधानसभा क्षेत्र बैहर के विधायक संजय उइके के मुख्य आतिथ्य में शासकीय मॉडल स्कूल, बिरसा में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चयनित विद्यार्थियों को 2500 रुपए की प्रोत्साहन राशि चेक के माध्यम से प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश एवं माता सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बिरसा की अध्यक्ष सविता धुर्वे एवं उपाध्यक्ष हेमंत साहू की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10वीं के 41 एवं कक्षा 12वीं के 17 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विधायक श्री उइके ने अपने संबोधन में विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए बताया कि शासकीय मॉडल स्कूल, बिरसा का नामांकन मध्यप्रदेश में तीसरे स्थान पर है, जो शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी मेहनत और लगन से उच्च सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विधायक श्री उइके कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए छ्ष्श्वश्च, ह्श्वश्वज्ञ एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से विशेष कक्षाएं शुरू करने की घोषणा भी की। वहीं जनपद उपाध्यक्ष श्री हेमंत साहू ने जानकारी दी कि आगामी विशिष्ट योजना के तहत लगभग 120 विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जनपद अध्यक्ष श्रीमती सविता धुर्वे ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें निरंतर प्रगति के लिए प्रेरित किया और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसे में युवक की मौत, साथी गंभीर घायल

मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी खैरलांजी मार्ग पर स्थित ग्राम नवेगांव (ख) में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक सफेद रंग की अर्टिका कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई सीधी भिड़ंत में एक युवक कमल पोवारे की जान चली गई। जबकि उसका साथी नंदू कुंभलवार गंभीर रूप से घायल है जिसका उपचार जारी है। मामले में खैरलाँजी पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

यह हैं मामला

जानकारी के अनुसार कमल पिता ईश्वरीलाल पोवारे उम्र २८ वर्ष नवेगाव निवासी अपने साथी नंदू कुंभलवार के साथ मोटरसाइकिल से कहीं घूमने के लिए गया हुआ था। जो वापस वारासिवनी खैरलांजी मार्ग पर ग्राम नवेगांव में बाइक पर सवार था। शाम करीब ६.३० बजे ग्रामीण कोटा बैंक के सामने मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक को अर्टिका कार तेज रफ्तार से आई और मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों सवार युवक सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़े। इसी दौरान मृतक का चचेरा भाई अजय कुम्हारे जो अपनी ममेरी बहन की शादी का सामान लेकर लौट रहा था मौके पर पहुँचा। उसने भीड़ देखकर जब पास जाकर देखा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई सड़क पर तड़पने वाले लोग उसके अपने ही भाई और परिचित थे। हादसे के तुरंत बाद १०८ एम्बुलेंस की मदद से घायलों को खैरलांजी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहाँ से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट और फिर बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने कमल पोवारे की हालत अत्यंत नाजुक देखते हुए उसे महाराष्ट्र के भंडारा रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर भंडारा जा ही रहे थे कि ग्राम सोनझरा के पास कमल के शरीर ने हलचल बंद कर दी। उसे तत्काल खैरलांजी अस्पताल लाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में दूसरे सवार नंदू कुंभलवार को गंभीर चोटें आई हैं उनका उपचार जारी है। मृतक की अस्पताल तहरीर पर खैरलांजी पुलिस ने प्रार्थी अजय कुम्हारे की शिकायत पर मर्ग कायम कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत शव का परीक्षण कर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले को मार्ग जांच में लिया है।

भंडारा जाते समय रास्ते में मेरे भाई की मौत हो गई - अजय कुम्हारे

भाई अजय कुम्हारे ने पुलिस को बताया की मैं ग्राम नवेगांव के वार्ड नंबर ११ में रहता हूं और मजदूरी का कार्य करता हूं। मैं अपने मामा की लड़की की शादी के लिए सामान खरीदने गया था वापस में देखा तो रोड पर भीड़ लगी हुई थी। जब वहां जाकर देखा तो मेरा काका भाई कमल पोवारे गंभीर रूप से घायल पड़ा हुआ था और उसके साथ नंदू कुंभलवार भी बेहोश था। मौके पर मेरे द्वारा १०८ के माध्यम से उन्हें खैरलांजी अस्पताल लाया गया जहां से बालाघाट और बालाघाट से भंडारा रेफ र कर दिया गया। परंतु रास्ते में मेरे भाई की मौत हो गई यह हमें उस समय समझ आया जब कमल ने प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया।

इनका कहना हैं

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में शव का परीक्षण कर पोस्टमार्टम करने के उपरांत शव परिजनों को दे दिया गया है। मामले में मर्ग कायम कर ली गई है जिसमें जांच की जा रही है। यह दुर्घटना अज्ञात वाहन से होना बताया जा रहा है जिसकी पतासाजी की जा रही है।

सुशीला टेकाम
सहायक उपनिरीक्षक थाना खैरलांजी

रामपायली सिजेरियन डिलीवरी सुविधा शुरू करने की उठ रही मांग

पद्मेश न्यूज। रामपायली। क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे में सुधार और मातृ-शिशु सुरक्षा को लेकर रामपायली में आक्रोश और मांग तेज होती जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा न होने से क्षेत्र के लगभग ३० से अधिक गाँवों की गर्भवती महिलाओं को जीवन-मरण के संकट से जूझना पड़ रहा है। रामपायली स्वास्थ्य केंद्र कहने को तो क्षेत्र का प्रमुख चिकित्सा केंद्र है लेकिन यहाँ की सेवाएँ केवल सामान्य प्रसव तक ही सीमित हैं। स्थिति तब गंभीर हो जाती है जब कोई जटिल केस सामने आता है। आपातकाल में प्रसूताओं को 30-40 किमी दूर जिला अस्पताल बालाघाट रेफ र किया जाता है। गरीब परिवारों को समय बचाने के चक्कर में मजबूरी वश निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है जहाँ खर्च उनका कमर तोड़ देता है। कई बार अस्पताल पहुँचने से पहले ही जच्चा-बच्चा की जान पर बन आती है। क्षेत्रीय जनता और जागरूक नागरिकों ने अस्पताल की बदहाली को लेकर विशेषज्ञों की नियुक्ति करने की मांग रही है क्यों की रामपायली न केवल एक रिहायशी इलाका है बल्कि यहाँ पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार शून्य है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि स्थानीय स्तर पर सिजेरियन सुविधा मिल जाए तो मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भारी कमी लाई जा सकती है। इस विषय पर सरपंच संदीप वाघमारे, जगदीश बंसोड़, कुंजबिहारी दुबे, चैनसिंह बैस, रजनीश नकासे, श्रीमती गीता अग्रवाल, श्रीमती गीता हनवत, श्रीमती माधुरी बैस, श्रीमती उषा शेंडें, श्रीमती वीणा शुक्ला, नरेंद्र सिंह चौहान, राजेन्द्र सिंह चौहान, श्रीमती अर्चना चौहान, श्रीमती सुनीता बैंस, विजय राऊत, विजय ओचानी, अमित सिंह बैस, योगेश देडे, रामकिशोर अग्रवाल, दामोदर अग्रवाल, केवल शिवहरे, किरण सिंह बैस, प्रशांत सिंह बैस और पवन राऊत सहित अनेक ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से इस दिशा में अविलंब निर्णय लेने की मांग की हैं।

शिवधाम मोहल्ले में चोरों का तांडव, पुलिस की सुस्ती से ग्रामीणों में बड़ा खौफ !

मोहल्ले में आधा दर्जन घरों के ताले टूटे, अब तक सुराग नहीं, ग्रामीण आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ला इन दिनों अज्ञात चोरों के निशाने पर है। बीते कुछ समय में यहाँ लगातार हुई चोरी की वारदातों ने स्थानीय निवासियों की रातों की नींद उड़ा दी थी। आलम यह है कि लोग अब अपने घरों को सूना छोड़ने से भी कतरा रहे हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पीड़ितों ने अब खुलकर अपना आक्रोश जाहिर करना शुरू कर दिया है।

आधा दर्जन घरों में सेंधमारी, हाल ही में प्रवीण खरोले का मकान बना निशाना

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवधाम मोहल्ले में अब तक करीब आधा दर्जन मकानों में चोरी की बड़ी वारदातें हो चुकी हैं। ताजा मामला गत दिवस का है जहाँ प्रवीण खरोले नामक निवासी के सूने मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया और कीमती सामान पार कर दिया। इस घटना के बाद से पूरे मोहल्ले में भय का वातावरण निर्मित हो गया है। यद्यपि पुलिस प्रशासन द्वारा नगर और आसपास के क्षेत्रों में हुई कुछ चोरियों का खुलासा किया गया है। लेकिन शिवधाम मोहल्ले की स्थिति जस की तस बनी हुई है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मोहल्ले में हुई एक भी चोरी का खुलासा अब तक नहीं हो पाया है। पुलिस की गश्त और तफ्तीश इस क्षेत्र में नष्क्रिय नजर आ रही है। नगरीय क्षेत्रों में भी कई छोटी-बड़ी चोरियां लंबित हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। चोरी की इन घटनाओं से न केवल आर्थिक नुकसान हुआ है बल्कि आम जनमानस में पुलिस प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष व्याप्त है। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मांग की है कि अज्ञात चोरों को अविलंब गिरफ्तार कर चोरी किया गया माल बरामद कर असली मालिकों को सौंपा जाए एवं क्षेत्र में पुलिस गश्त बढाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग सके। हालांकि वर्तमान में वारासिवनी पुलिस के लिए शिवधाम मोहल्ले की ये अनसुलझी चोरियां एक बड़ी चुनौती बन गई हैं। अब देखना यह होगा कि पुलिस कब तक इन अज्ञात चोरों तक पहुँच पाती है और जनता के बीच खोए हुए विश्वास को पुन: बहाल कर पाती है।

पुलिस ने कार्यवाही चालू का आश्वासन दिया है - प्रवीण खरोले

पीड़ित प्रवीण खरोले ने बताया कि ३० मार्च की रात में मेरे घर चोरी हुई थी जिसकी शिकायत पुलिस में करी वह जांच पड़ताल कर रहे हैं। मेरे द्वारा पूछताछ भी की गई तो बताया गया कि साइबर में सीसीटीवी फु टेज और मोबाइल लोकेशन निकाल कर जांच की जा रही है। कार्यवाही चालू है आश्वासन दिया गया है परंतु करीब आठ दिन का समय बीत चुका है चोर पकड़ने में नहीं आए हैं। पुलिस प्रशासन ढिलाई बरत रहा है ऐसा लग रहा है शिवधाम मोहल्ले में बार-बार चोरी हो रही है इसे संज्ञान में लेने की जरूरत है ताकि लोगो को राहत दे सके। इसके पहले भी कई घरों में चोरी हुई है पर आज तक कोई पता नहीं चल पाया है इसका कारण भी हमें समझ नहीं आ रहा है कि क्यों ऐसा है। मेरे यहां नकद एवं सोने चांदी के जेवरात मिलकर करीब १० लाख रुपए की चोरी हुई थी।

ना कभी हमारे पास पुलिस आई ना हमें कार्यवाही समझ आई हमारे अंदर असंतोष हैं - विनायक सिंह मरकाम

विनायक सिंह मरकाम ने बताया कि १६ से १८ सितंबर २०२५ के रात्रि में हमारे घर चोरी की वारदात हुई थी जो हमें १८ सितंबर को पता चली थी। उस समय पुलिस प्रशासन डॉग स्कॉर्ट और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट सभी लोग आए जांच करने के बाद उन्होंने रिपोर्ट आने तक रुकने कहा था। एक सप्ताह बाद रिपोर्ट आई हमें बुलाया गया वहां हमें जेवरात के बिल पूछने लगे वह बिल चोरों ने ले जा लिया था जिससे हमारे पास बिल नहीं थे। फिर ना कभी हमारे पास पुलिस आई और ना हमें कोई कार्यवाही समझ आई हमारे अंदर असंतोष है। घर छोड़कर अब कहीं नहीं जा सकते अकेले घर में रहते हैं सीसीटीवी पर भी भरोसा नहीं रहा उसे उखाड़ कर ले जा लिए थे। हमारे यहां से ५० हजार रूपये नकद, सोने, चांदी के जेवर चोरी किए थे। अभी भरवेली में चोरी हुई ६ घंटे में चोर पकड़ा वहां पुलिस सख्त है ऐसा यहां भी होना चाहिए परंतु क्यों नहीं है पता नहीं।

अधिवक्ता संघ वारासिवनी का शपथ ग्रहण संपन्न

प्रधान जिला न्यायाधीश ने दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता संघ भवन में बुधवार को अधिवक्ता संघ वारासिवनी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष न्यायाधीश रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजयराज ठाकुर, विशेष न्यायाधीश श्रीमती कविता इनवाती, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मनीष कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड श्रीमती दिव्या सिंह व ऋषभ डॉनिल सिंह एवं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड श्रीमती नेहा बाथरी सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारम्भ किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि प्रणेश कुमार प्राण ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष संदीप नगपुरे, उपाध्यक्ष वंदना बनोटे, सचिव अभिजीत शुक्ला, सहसचिव अनामिका शुक्ला, कोषाध्यक्ष शैलेष पाठक और ग्रंथपाल संदेश इंदुरकर को पद कर्तव्यनिष्ठा एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य रितेश शुक्ला, मनोज कुमार दमाहे, मोहेन्द्र नगपुरे, शिशुपाल पारधी, मुकेश पटले, कचरूलाल पंचतिलक, अजय डहाके, श्रीमती भुवनेश्वरी उर्फ भूमि सोनकुसरे, श्रीमती रीना मरार और कु. मनीषा जायसवाल ने भी शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण ने संघ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदाधिकारी सबको साथ लेकर चलें और अपने विजन को वास्तविकता में बदलें। यहां पर कई नए अधिवक्ता उपस्थित है जो सिविल जज की तैयारी कर रहे हैं यदि कोई पढ़ने के इच्छुक है तो उन्हें अपना समय देकर पढ़ने की इच्छा जाहिर करते हुए अधिवक्ताओं को विभिन्न विषय पर प्रेषित किया। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश अग्रवाल ने संघ के कुशल संचालन की बात कही। वहीं पूर्व अध्यक्ष विलास मिश्रा ने लाइब्रेरी हेतु पुस्तकें दान करने की घोषणा की। कार्यक्रम में स्वप्निल डोंगरे ने भी नवीन सुधारों हेतु प्रेरित किया। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

वारासिवनी में घर-घर कचरा पृथक्करण को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 9 में जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके के निर्देशन में आईईसी टीम एवं वर्चुअल क्रिस्टल मल्ट्रीट्रेड, जबलपुर के सहयोग से संचालित किया गया।

अभियान के दौरान टीम ने रहवासी क्षेत्रों में घर-घर जाकर नागरिकों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं स्रोत पर कचरा पृथक्करण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही लोगों से खुले में शौच न करने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। नागरिकों को कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा निर्धारित स्थान पर ही कचरा देने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के बारे में भी जानकारी साझा की गई और नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। लोगों को बताया गया कि घर से निकलने वाले कचरे को गीला (हरा), सूखा (नीला), सेनेटरी (पीला) और हानिकारक (काला) श्रेणियों में अलग-अलग करके ही कचरा वाहन में दें। इसके अलावा, गीले कचरे से घर पर ही खाद बनाने की प्रक्रिया (होम कंपोस्टिंग) के बारे में भी जानकारी दी गई और इसके फायदे समझाए गए। नगर पालिका परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग कर अपने शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बेमौसम बारिश का कहर-किसानों की मेहनत पर प्रकृति की मार

भारत विश्व का एक प्रमुख कृषि प्रधान देश है, जहाँ आज भी बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। दूसरे शब्दों में, भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। यहाँ कृषि मुख्यत: प्रकृति, विशेषकर मानसून पर आधारित है, इसलिए इसे अक्सर मानसून का जुआ कहा जाता है।मार्च और अप्रैल का समय किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। वास्तव में, यही वह अवधि होती है जब रबी फसलें पककर तैयार हो जाती हैं और उनकी कटाई शुरू होती है। यह समय किसानों के लिए उनके पूरे वर्ष के परिश्रम और आशाओं के साकार होने का होता है। लेकिन विडंबना यह है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तैयार खड़ी फसलें खेतों में ही नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल उनकी आजीविका को प्रभावित करती है, बल्कि कृषि क्षेत्र की अनिश्चितता को भी उजागर करती है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान में उत्तर भारत के कई हिस्सों में बेमौसम मौसम का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के हाड़ौती और बीकानेर क्षेत्रों में हुई तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलें, जो कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, अचानक गिरे ओलों और बारिश की मार से बर्बाद हो गईं। कई स्थानों पर ओलों की मोटी परत ने खेतों को सफेद चादर से ढक दिया, जो किसानों के लिए किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है।इसी प्रकार हरियाणा और पंजाब में भी ओलावृष्टि तथा तेज आंधी-बारिश ने भारी नुकसान पहुँचाया है। इन राज्यों में भी गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। फसलें खेतों में गिर गईं, दाने झड़ गए और उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई, जिससे बाजार में कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि राजस्थान के जयपुर से जैसलमेर तक कई जिलों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि दर्ज हुई।

बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर और उदयपुर संभागों में भी इसका असर देखने को मिला।कई स्थानों पर बड़े आकार के ओले (नींबू जितने) गिरे, जिससे फसलों और मकानों को नुकसान हुआ। इसी तरह से पंजाब राज्य में गरज-चमक के साथ बारिश और कई स्थानों पर ओले गिरने की पुष्टि हुई है तथा 3-5 अप्रैल के दौरान ओलावृष्टि की चेतावनी और असर, विशेषकर मालवा- दोआबा क्षेत्रों में देखने को मिला।हरियाणा में भी 3-4 अप्रैल को तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ओलावृष्टि दर्ज हुई तो कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भी इसका असर देखने को मिला। 3ङ्क5 अप्रैल के बीच पश्चिमी यूपी और 4-5 अप्रैल को पूर्वी यूपी में ओलावृष्टि की स्थिति देखने को मिली। उत्तराखंड के चकराता क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ तथा 3-7 अप्रैल के बीच पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 3-4 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर ओले गिरने की चेतावनी और घटनाएं हुईं।इसी प्रकार से जम्मू-कश्मीर के मैदानी क्षेत्रों में बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी तथा 4-9 अप्रैल के बीच गरज-चमक, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की

तमिलनाडु का सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस -सत्ता के दुरुपयोग मानवाधिकारों का उल्लंघन

6 अप्रैल 2026 मदुरै कोर्ट से 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा-न्याय, व्यवस्था और मानवीय गरिमा पर एक ऐतिहासिक निर्णय का अंतरराष्ट्रीय

वैश्विक स्तरपर साल 2020 में जब पूरी दुनियाँ कोविड -19 महामारी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रही थी, तब सरकारों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त लॉकडाउन जैसे कदम उठाए।भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।सड़कों पर सन्नाटा,बंद बाजार,ठप उद्योग यह दृश्य देशभर में आम था। लेकिन इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के बीच एक दूसरा,कम दिखाई देने वाला संकट भी पनप रहा था,सत्ता के दुरुपयोग और मानवाधिकारों के उल्लंघन का। कई स्थानों पर पुलिस और प्रशासन को व्यापक अधिकार दिए गए, जिनका उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना था,परंतु कुछ मामलों में यही अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए। इसी पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के सातानकुलम में घटित कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया, जिसने न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी न्याय और मानवाधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस कस्टोडियल डेथ मैटर में न्यायपालिका की भूमिका- लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ सिद्ध हुई, इस केस में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहीअदालत ने इस केस कोरेयरेस्ट ऑफ रेयर मानते हुए न केवल सख्त सजा दी, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि कानून के सामने सभी समान हैं, चाहे वे आम नागरिक हों या पुलिसकर्मी। यह निर्णय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे फैसले लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करते हैं और यह संदेश देते हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। प्रिंट इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया में अक्सर हम कस्टोडियल डेथ के बारे में बहुत सुनते हैं,इसलिए अब पुलिस सुधार की आवश्यकता- प्रणालीगत बदलाव की मांग का समय अब आ गया है। सातानकुलम केस ने भारतीय पुलिस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है, जैसे कि हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता, स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना, और पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में मानवाधिकारों पर जोर।इसके अलावा, पुलिस बल में कार्य के दबाव, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दों को भी संबोधित करना आवश्यक है। जब तक इन संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति की संभावना सटीक रूप से बनी रहेगी। साथियों बात अगर हम सातानकुलम की घटना- एक सामान्य उल्लंघन से असाधारण त्रासदी तक इसको समझने की करें तो19 जून 2020 को तमिलनाडु के सातानकुलम में एक सामान्य-सी दिखने वाली घटना ने भयावह रूप ले लिया। मोबाइल दुकान चलाने वाले पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) पर आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी दुकान खुली रखी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और थाने ले जाया गया। सामान्यत: ऐसे मामलों में जुर्माना या चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है,लेकिन इस केस में पुलिस की कार्रवाई असामान्य रूप से कठोर और अमानवीय साबित हुई।परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों को पूरी रात थाने में बर्बरता पूर्वक पीटा गया। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे,खून बह रहा था और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया।यह केवल कानून का पालन कराने की कार्रवाई नहीं थी,बल्कि सत्ता के दुरुपयोग का चरम उदाहरण बन गई।बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया,लेकिन उनकी हालत इतनी खराब थी कि कुछ ही दिनों में 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मृत्यु हो गई। साथियों बात अगर हम पुलिस का प्रारंभिक बचाव और सच्चाई का उजागर होना इसको समझने की करें तो इस घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभ में यह दावा किया कि दोनों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई है। यह एक सामान्य रणनीति थी, जिसे अक्सर कस्टोडियल डेथ के मामलों में अपनाया जाता है।लेकिन इस बार परिस्थितियाँ अलग थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी। रिपोर्ट के अनुसार, बेनिक्स के शरीर पर 13 और जयराज के शरीर पर 17 गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जो स्पष्ट रूप से अत्यधिक हिंसा और प्रताड़ना की पुष्टि करते थे।इसके अलावा, एक महिला कॉन्स्टेबल के बयान ने मामले को और गंभीर बना दिया। उसने खुलासा किया कि दोनों को रातभर बेरहमी से पीटा गया और उनके खून से सने कपड़ों से थाने की सफाई करवाई गई। यह केवल शारीरिक हिंसा नहीं थी, बल्कि मानवीय गरिमा का घोर अपमान था। इस खुलासे के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया और यह मामला राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आ गया। साथियों बात अगर हम न्याय की लंबी यात्रा- छह वर्षों का संघर्ष इसको समझने की करें तो यह मामला केवल एक आपराधिक केस नहीं था, बल्कि न्याय के लिए लंबी और कठिन लड़ाई का प्रतीक बन गया। छह वर्षों तक चली सुनवाई के दौरान कई बाधाएँ आईं सबूतों का संरक्षण, गवाहों की सुरक्षा, और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताएँ। कुल 10 आरोपियों में से एक की कोविड के दौरान मृत्यु हो गई,जबकि बाकी 9 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहा।6 अप्रैल 2026 को मदुरै की फर्स्ट एडिशनल सेशंस कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी 9 पुलिस कर्मियों को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में रखा, जो भारतीय न्याय प्रणाली में सबसे गंभीर अपराधों के लिए आरक्षित है। जज मुथुकुमारन ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला केवल हत्या का नहीं, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग और मानवीय गरिमा के उल्लंघन का है, और ऐसी स्थिति में उम्रकैद भी पर्याप्त नहीं है। साथियों बात अगर हम रेयरेस्ट ऑफ रेयर का सिद्धांत और इस केस में उसका अनुप्रयोग को समझने की करें तो,भारतीय न्याय प्रणाली में रेयरेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत का उपयोग बहुत ही सीमित मामलों में किया जाता है। यह सिद्धांत बचन सिंह बनाम स्टेट ऑफ पंजाब के ऐतिहासिक फैसले से विकसित हुआ, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मृत्युदंड केवल उन्हीं मामलों में दिया जाना चाहिए, जहां अपराध अत्यंत क्रूर, अमानवीय और समाज के लिए असाधारण खतरा हो।सातानकुलम केस में अदालत ने पाया कि पुलिसकर्मियों ने न केवल कानून का उल्लंघन किया, बल्कि वे स्वयं कानून के संरक्षक होने के बावजूद अपराधी बन गए। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए निहत्थे और निर्दोष नागरिकों पर अत्याचार किया। इस प्रकार, यह मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में पूरी तरह फिट बैठता है। साथियों बात अगर हम इस केस में सजा और मुआवजा न्याय का बहुआयामी दृष्टिकोण को समझने की करें तोअदालत ने केवल मृत्युदंड ही नहीं दिया, बल्कि दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया और पीड़ित परिवार को 1 करोड़ 40 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। यह निर्णय न्याय के बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें अपराधियों को सजा देने के साथ-साथ पीड़ितों को राहत देना भी शामिल है।मुआवजा राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि यह राज्य की ओर से यह स्वीकारोक्ति भी है कि पीड़ितों के साथ अन्याय हुआ और उन्हें न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, यह भी सच है कि किसी भी राशि से एक परिवार के दो सदस्यों की क्षति की भरपाई कभी भी नहीं की जा सकती। साथियों बात अगर हम इस केस में मृतक बाप बेटे के परिवार की प्रतिक्रिया- दर्द, संतोष और अधूरी शांति को समझने की करें तो फैसले के बाद जयराज और बेनिक्स के परिवार ने मिश्रित भावनाएँ व्यक्त कीं। एक ओर उन्हें यह संतोष था कि छह वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद न्याय मिला, वहीं दूसरी ओर उनके मन में यह पीड़ा भी थी कि उनके प्रियजन कभी वापस नहीं आएंगे।परिवार ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए न्याय है जो पुलिस अत्याचार का शिकार होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले से भविष्य में ऐसे मामलों में कमी आने की सटीक रूप से उम्मीद है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीयप्रतिक्रिया मानवाधिकारों की वैश्विक चिंता के परिपेक्ष में समझने की करें तो इस मामले ने न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया। मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और इसे पुलिस सुधार की आवश्यकता का उदाहरण बताया।विश्व स्तर पर यह सवाल उठाया गया कि क्या कानून लागू करने वाली एजेंसियों को इतनी शक्ति दी जानी चाहिए कि वे उसका दुरुपयोग कर सकें। इस घटना ने यह भी दिखाया कि लोकतांत्रिक देशों में भी मानवाधिकारों का उल्लंघन संभव है, यदि निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत न हो।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि एक केस, अनेक संदेश, सातानकुलम कस्टोडियल डेथ केस केवल एक आपराधिक घटना नहीं है,बल्कि यहभारतीय समाज, न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है।यह मामला दिखाता है कि जब सत्ता का दुरुपयोग होता है, तो उसके परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।मदुरै कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला न केवल पीड़ित परिवार को न्याय दिलाता है,बल्कि पूरे देश को यह संदेश भी देता है कि मानवाधिकारों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक मिसाल बनेगा और पुलिस व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(विश्व णमोकार दिवस- 9 अप्रैल, 2026)

युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद है विश्व णमोकार दिवस

- ललित गर्ग

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र-इस संकल्प के साथ प्रात: जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है।

यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण, सम्यक्-चरित्र, सम्यक्-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक्-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदैशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है। यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान- मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वत: क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात् जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मों का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है। दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं। णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष- संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्तत: घातक होती हैं। भगवान् महावीर का संदेश कि सुख सबको प्रिय है, दु:ख अप्रिय-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति परस्परोपग्रहो जीवानाम इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को आंतरिक क्रांति का माध्यम बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है-एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी। निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है। णमोकार महामंत्र व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की विराट भावना का संचार करती है।

ऊर्जा संकट से कैसे बाहर निकलें मजदूर ?

आज जब देश ऊर्जा संकट की चुनौती से जूझ रहा है, उसका सबसे गहरा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ रहा है जो पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर है—मजदूर वर्ग। महंगी बिजली, बढ़ते ईंधन दाम और अनिश्चित रोजगार ने मजदूरों की रोजमर्रा की जिंदगी को और कठिन बना दिया है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है कि मजदूर इस संकट से कैसे बाहर निकलें और सरकार व समाज उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। ऊर्जा संकट केवल बिजली की कमी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कोयला आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों, और नीतिगत कमजोरियों से भी जुड़ा है। जब उद्योगों की लागत बढ़ती है, तो सबसे पहले असर मजदूरों की मजदूरी और रोजगार पर पड़ता है। कई छोटे उद्योग बंद होने की कगार पर हैं, जिससे मजदूरों का पलायन तेज हो रहा है।

ऊर्जा संकट के बीच मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन ने गहरी चिंता पैदा कर दी है। देश में बढ़ते ऊर्जा संकट ने केवल उद्योगों और अर्थव्यवस्था को ही प्रभावित नहीं किया है, बल्कि इसका सबसे बड़ा असर आम मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है। बिजली की कमी, महंगी ऊर्जा और घटते औद्योगिक उत्पादन के कारण शहरों में रोजगार के अवसर लगातार सिकुड़ रहे हैं। ऐसे हालात में मजदूरों का शहरों से गांवों की ओर पलायन फिर से तेज होता दिख रहा है। ऊर्जा संकट का सीधा असर फैक्ट्रियों और छोटे उद्योगों पर पड़ा है। कई उद्योग या तो बंद हो गए हैं या सीमित क्षमता पर काम कर रहे हैं। इससे दिहाड़ी मजदूरों और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की आय पर गहरा असर पड़ा है। जब शहरों में काम नहीं मिलता, तो मजदूरों के सामने अपने गांव लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

यह स्थिति हमें कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान हुए बड़े पैमाने के पलायन की याद दिलाती है, जब लाखों मजदूर शहरों से अपने गांवों की ओर लौट गए थे। हालांकि मौजूदा संकट उतना अचानक नहीं है, लेकिन इसके प्रभाव धीरे-धीरे उतने ही गंभीर होते जा रहे हैं।गांवों में लौटने के बाद मजदूरों को रोजगार की गारंटी नहीं मिलती। कृषि पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर है

और सभी के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दे सकती। ऐसे में ग्रामीण बेरोजगारी और गरीबी बढने का खतरा है। इससे सामाजिक और आर्थिक असंतुलन और गहरा सकता है। सरकार के सामने चुनौती है कि वह ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान निकाले और साथ ही शहरी रोजगार को बचाए। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, छोटे उद्योगों को राहत देना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना समय की मांग है।मजदूरों का यह पलायन केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक मानवीय संकट भी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर देश के विकास की गति पर भी पड़ सकता है।

भारत जैसे विकासशील देश में जहां आर्थिक प्रगति की गाथाएं अक्सर सुनाई जाती हैं, वहीं एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जिसकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी आज भी संघर्षों से भरी हुई है। मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं — यह कथन सुनने में अतिशयोक्ति लग सकता है, लेकिन ज़मीनी सच्चाई इससे बहुत दूर नहीं है। जब तक मजदूर को स्थायी रोजगार, उचित वेतन और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक उसकी स्थिति में ठोस सुधार संभव नहीं है। मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं — यह न तो पूरी तरह फ़साना है, न ही हर जगह की सच्चाई। यह उस कड़वी हकीकत का प्रतीक है, जिसे हम अक्सर आंकड़ों और विकास के शोर में नजरअंदाज कर देते हैं।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूर वर्ग को सिर्फ योजनाओं का लाभ ही नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी मिले। तभी असली विकास संभव होगा। देश के असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों मजदूर आज भी अस्थिर आय, महंगाई और सामाजिक सुरक्षा की कमी से जूझ रहे हैं। दिहाड़ी मजदूर की कमाई अक्सर इतनी सीमित होती है कि वह सिर्फ दो वक्त की रोटी का इंतज़ाम कर पाता है। ऐसे में अगर एक दिन भी काम न मिले, तो चूल्हा जलना मुश्किल हो जाता है। महंगाई ने इस संकट को और गहरा किया है। रसोई गैस, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि ने गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कई जगहों पर आज भी लोग लकड़ी या कंडे से खाना बनाने को मजबूर हैं। हालांकि यह भी सच है कि सरकार ने गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई हैं—मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना, मनरेगा जैसी योजनाएं मजदूरों को राहत देने का प्रयास करती हैं। इन योजनाओं से कई परिवारों की स्थिति में सुधार भी आया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये योजनाएं हर जरूरतमंद तक पूरी तरह पहुंच पा रही हैं? अक्सर भ्रष्टाचार, जानकारी की कमी और व्यवस्थागत खामियों के कारण कई मजदूर इन लाभों से वंचित रह जाते हैं। समस्या केवल आय की नहीं, बल्कि असमानता और अवसरों की भी है।

समाधान के रास्ते

पहला समाधान यह हो सकता है कि सरकारी हस्तक्षेप यानी सरकार को सस्ती बिजली और ईंधन उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी और राहत पैकेज देने चाहिए। ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए विशेष योजनाएं बनाई जानी चाहिए।

दूसरा वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देना । सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों को अपनाना इस संकट का स्थायी समाधान हो सकता है। अगर मजदूरों को सोलर पैनल जैसी सुविधाएं सस्ती दरों पर मिलें, तो वे अपनी ऊर्जा जरूरतें खुद पूरी कर सकते हैं।

तीसरा रोजगार के नए अवसर पैदा करना ऊर्जा क्षेत्र में ही रोजगार सृजन किया जा सकता है—जैसे सोलर इंस्टॉलेशन, बैटरी मेंटेनेंस आदि। इससे मजदूरों को नया कौशल और काम मिलेगा।

चौथा सामाजिक सुरक्षा यानी मजदूरों के लिए राशन, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि वे संकट के समय भी सम्मानजनक जीवन जी सकें।

ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता को बढ़ाने वाला मुद्दा भी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा मजदूर वर्ग को ही भुगतना पड़ेगा। सरकार, उद्योग और समाज—तीनों को मिलकर ऐसा समाधान खोजना होगा जिससे विकास की रोशनी हर घर तक पहुंचे, न कि केवल कुछ वर्गों तक सीमित रह जाए। मजदूर केवल अर्थव्यवस्था का पहिया नहीं हैं, बल्कि देश की असली ताकत हैं। उनकी समस्याओं का समाधान ही ऊर्जा संकट से बाहर निकलने का सबसे सही रास्ता है।

- सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों की आपूर्ति के मद्देनजर बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार घटाकर बोला गया। तिलहनों में भी सुर्खी बनी। दलहनों में चना व मसूर मजबूत रहे। किराना जिंसों में जीरा बाजार सुर्ख रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच तनावपूर्ण संघर्ष के बाद दो सप्ताह के अस्थायी सीजफायर (युद्धविराम) के बाद आयातित मालों की उपलब्धि सुगम होगी, जिसके चलते खाद्य तेलों में तेजी अटकी है। तिलहनों में भी बाजार घटाकर बोले गये। दलहनों में छुटपुट मॉंग से मसूर में सुधार का रूख रहा। चना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। उधर, किराना जिंसों में जीरे में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4175, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1750-1760, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1480-1490, सोया रिफाइंड 1530-1540, कपास्या 1480, धूलिया 1480, कड़ी 1485,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1730, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1540-1550,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7400, रायडा 6200-6400, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, विशाल 5525-5625, महाराष्ट्र विशाल 5600-5625, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनावपूर्ण संघर्ष के बाद दो सप्ताह के अस्थायी सीजफायर (युद्धविराम) की ख़बरों के बीच बुधवार को सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के देखे गये। भाव इस प्रकार रहे :-

चॉंदी (9999) 241000, चॉंदी (99) 240900, टंच 240000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 152600,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 65 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.32 पर बंद हुआ। मध्यपूर्व में जारी तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतें घटने से भी रुपये में तेजी आई है। गत दिवस वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.05 प्रति डॉलर पर खुला। फिर नीचे आकर 93.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 28 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.90 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार बंपर उछाल के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के भारी तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये बंपर तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक के उछाल के साथ ही 77,563.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 873.70 अंक बढ़कर 23,997.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष थमने के बाद बाजार में चौतरफा तेजी रही। रियल्टी और ऑटो स्टॉक्स में आज भारी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी, और निफ्टी ऑटो की मजबूती के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे। निफ्टी निजी बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरबेल्स और निफ्टी इन्फ्रा बढ़त के साथ बंद हुआ। एक भी सूचकांक में गिरावट नहीं रही। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,198.95 अंक की बढ़त के साथ 56,799.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 694.75

अंक की बढ़त के साथ 16,538.05 पर पहुंचा। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई के शेयर लाभ में रह जबकि टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही। बाजार में तेजी के कारण कंपनियों का बाजार पूंजीकर 17 लाख करोड़ रुपए बढ़कर करीब 446 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 429 लाख करोड़ रुपए था। बाजार जानकारों के अनुसार युद्ध विराम की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 14 फीसदी नीये आकर 94 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा। इसी प्रकार आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता नजर आया। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक माहौल और एशियाई बाजारों में मजबूती का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स 3 फीसदी से अधिक उछलकर 77,000 के पार खुला।

युद्धविराम से कच्चा तेल छह प्रतिशत टूटकर निचले सर्किट में पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बुधवार को कच्चे तेल के वायदा भाव में तेज गिरावट आई और यह छह प्रतिशत लुढ़ककर निचले सर्किट स्तर पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये या छह प्रतिशत टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल पर आ गया जो इसका निचला सर्किट स्तर है। इसी तरह मई में आपूर्ति वाला अनुबंध भी 565 रुपये फिसलकर 8,860 रुपये प्रति बैरल के निचले सर्किट स्तर पर पहुंच गया। तनाव कम होने से आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं घटने के बीच बाजार में तेज बिकवाली देखी गई। वैश्विक बाजारों में भी अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद तेल कीमतों में गिरावट आई। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मई में आपूर्ति वाला वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 17.11 डॉलर या 15.15 प्रतिशत फिसलकर 95.84 डॉलर प्रति बैरल रह गया। वहीं जून में आपूर्ति वाले ब्रेंट क्रूड के अनुबंध का भाव 14.52 डॉलर या 13.29 प्रतिशत कम होकर 94.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद भू-राजनीतिक जोखिम घटने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद वह ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को स्थगित करेंगे।

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, 5.25 फीसदी पर बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक तनावों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 6 से 8 अप्रैल तक चली बैठक के बाद यह स्पष्ट किया कि फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। समिति ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी तथा बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक हालात इसे चुनौती दे रहे हैं। दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का खतरा बना हुआ है, जिस पर तेल की ब ?ती कीमतों का असर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि तेल बाजार पर जियोपॉलिटिकल तनाव का साया अब भी मंडरा रहा है। इससे कीमतों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतें हालात को और जटिल बना रही हैं। वहीं वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई को लेकर चिंता कम होने का नाम नहीं ले रही। ऐसे माहौल में, मजबूत घरेलू बुनियाद के बावजूद भारत को वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। एमपीसी बैठक का नतीजा बिज़नेस स्टैंडर्ड के सर्वे के मुताबिक रहा। सर्वे 10 अर्थशास्त्रियों के बीच किया गया था। इसमें सभी प्रतिभागियों ने कहा था कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकती है क्योंकि वह युद्ध के वृद्धि और मुद्रास्फीति पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रही है।

मेष- आज आपके लिए जमीन-जायदाद से जुड़ी खुशखबरी का दिन है, जैसे किस्मत खुद आपके लिए नया दरवाजा खोल रही हो। नया घर, दुकान या मकान लेने का विचार मन में मजबूत होगा और पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक बनेगी। बच्चों के साथ बिताया गया समय दिल को हल्का और खुश कर देगा। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। परिवार में अगर पहले से मनमुटाव चल रहा था, तो छोटी-छोटी बातें भी तकरार का कारण बन सकती हैं, इसलिए संयम ही आपका सबसे बड़ा हथियार रहेगा।

वृषभ- आज धन और समृद्धि की खुशबू आपके चारों ओर फैली रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी और दिल को सुकून मिलेगा। अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का समय है। खान-पान में थोड़ा संयम रखें, वरना सेहत साथ छोड़ सकती है। घर में किसी नए मेहमान की एंट्री माहौल को खुशियों से भर देगी, लेकिन कामों की अधिकता आपको थोड़ा परेशान कर सकती है। बातचीत में संतुलन रखना जरूरी होगा, क्योंकि आपकी एक छोटी सी बात भी किसी को चुभ सकती है।

मिथुन- आज विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी का दिन हो सकता है, जैसे मेहनत का मीठा फल मिलने वाला हो। अगर आपने किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो परिणाम आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। बिजनेस में पार्टनरशिप कर रखी है तो आज आंखें खुली रखें, क्योंकि सतर्कता ही सुरक्षा है। वाहन से जुड़ी कोई परेशानी जेब ढीली कर सकती है।

कर्क- आज आपका मन भक्ति और श्रद्धा में डूबा रहेगा, जैसे आत्मा को सच्चा सुकून मिल रहा हो। लेकिन वैवाहिक जीवन में कुछ उलझनें आपके मन को विचलित कर सकती हैं। पिताजी के साथ किसी बात पर टकराव होने की संभावना है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह- आज अगर मन में किसी काम को लेकर जरा सा भी संशय है, तो कदम पीछे खींच लेना ही समझदारी होगी। माताजी से मिली जिम्मेदारी आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका देगी। भाई-बहनों का साथ आपको मजबूती देगा। संतान की पढ़ाई को लेकर आप गंभीर रहेंगे और उनके शिक्षकों से बातचीत करेंगे। खान-पान में लापरवाही पेट से जुड़ी परेशानी दे सकती है।

कन्या- आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको उसका पूरा फल मिलेगा। आसपास के लोगों से मिली सलाह आपके लिए सोने पर सुहागा साबित होगी। परिवार में किसी बुजुर्ग की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। घर में कोई धार्मिक आयोजन करने का विचार आपको सुकून देगा। संतान से किया हुआ वादा निभाने की कोशिश आपको उनके और करीब ले आएगी।

तुला- आज मन थोड़ा उलझा-उलझा सा रहेगा और कामों में भी रुकावटें आ सकती हैं, जिससे धैर्य की परीक्षा होगी। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का खास ध्यान रखें। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरकर आपको गर्व महसूस कराएगी। कोई पुराना लेन-देन फिर से सिर उठा सकता है और तनाव बढ़ा सकता है।

वृश्चिक- आज आपके लिए नए काम की शुरुआत का सुनहरा मौका है, जैसे किस्मत आपके साथ कदम मिलाकर चल रही हो। आपकी मेहनत का फल आपको भरपूर मिलेगा और भाई-बहनों का साथ आपके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा।

धनु- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास से हर स्थिति को संभाल लेंगे। पुराने मित्र की यादें मन को भावुक कर सकती हैं। बिजनेस में हल्की हलचल रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको आगे बढ़ाएगी। किसी विरोधी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम पूरे करेगा।

मकर- आज का दिन सामान्य होते हुए भी आपको व्यस्त बनाए रखेगा। एक साथ कई काम आने से ध्यान भटक सकता है, इसलिए एक-एक करके काम निपटाना बेहतर रहेगा। दूसरों के मामलों में बोलने से बचें, वरना परेशानी बढ़ सकती है। लापरवाही से छोटे काम भी बड़े बन सकते हैं। किसी सहयोगी की बात दिल को लग सकती है। पिताजी की सेहत पर ध्यान देने की जरूरत होगी। लेन-देन में सावधानी ही सुरक्षा है।

कुंभ- आज किस्मत आपका साथ देने को तैयार है और बिजनेस में आपकी योजनाएं शानदार परिणाम देंगी। नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक दिल को खुश कर देगी। पिताजी की किसी बात से मन आहत हो सकता है, लेकिन समय के साथ सब ठीक होगा। धन से जुड़े मामलों में खुद पर भरोसा रखें और दूसरों पर निर्भर रहने से बचें।

मीन- आज हर कदम सोच-समझकर रखने का दिन है, क्योंकि जल्दबाजी गड़बड़ी कर सकती है। संतान का व्यवहार आपको थोड़ा परेशान कर सकता है, लेकिन धैर्य से काम लें। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। विद्यार्थियों के अंदर कुछ नया करने की चाह जागेगी। माता-पिता की सेवा करने से मन को शांति मिलेगी। कोई पुराना लेन-देन पूरा होकर आपको राहत देगा।

शब्दजाल - 8223

ए	म	मा	डॉ.	न	गे	न्द्र	सिं	ह	क	वि
हा	न	सू	ह	म	ल	जी	स	ल	न	ज
सु	वी	गो	द	अं	नो	त	र	थ	ल	टी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	व	ए
मा	जे.	न	ष	त्र	म	मी	र	म्म	सी	स.
र	मी	ए	स	जि	स्वा	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	बु	म.	टी	म	मी	टे	बी.	ह	ष्ण
न	पू	सु	पा	लिं	पं.	सौ	ल	बी.	ना	मू
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	टं	न	र्ति
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	थ
टी.	ए	न	शे	ष	न	इ	ह	न	ह	धी

शब्दजाल में "भारत के प्रमुख 10 चुनाव आयुक्तों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सुकुमार सेन, डॉ. नगेन्द्रसिंह, टी. स्वामीनाथन, टी.एन.शेषन, मनोहरसिंह, टी.एस. कृष्णमूर्ति, बी.बी.टंडन, एन.गोपालस्वामी, जे.एम. लिंगदोह, आर.के. त्रिवेदी

शब्दजाल - 8222 का हल

अ	व	र	सु	ए	ड्	स	प	ला	नी	इ
न	है	क	ज	इं	डे	ने	ह	चे	म	श्त
अ	जा	आ	व	य	फा	इ	ड	च	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	क	इ	मो
ब	रा	पो	लि	यो	वी	क	र	क	त्ते	नि
द	जे	कि	र	क	पो	का	म	ले	रि	या
शी	मा	दे	अ	व	था	य	त	म	क	ती
को	दे	श	स्थ	न	प	य	रि	घु	व	ला
ढ़	दि	ल	मा	ले	दा	र	जा	या	वी	दे
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	ष	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7167

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7166

कु	बाँ	न		व	जू	द		आ	शा
बाँ		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 99 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 21.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 08.49 बजे को समाप्त।
योग परिघ 17.58 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.13 बजे तदनन्तर बव 21.20 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.04 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.44 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.43 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	11.56 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.12 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.24 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.35 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.49 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.05 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मकर	01.11 बजे से
		कुंभ	02.57 बजे से
		मीन	04.30 बजे से

चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872674
जूलियन दिन 2461139.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 20
विशेष मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: अधूरा ज्ञान

काशी के एक आश्रम में शिक्षा पूरी करने के बाद एक शिष्य वहां के राजा के पास गया और कहा, राजन् मैंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है और अब मैं समस्त शास्त्रों का ज्ञाता हूं। आप मुझे अपना गुरु बना लें। मैं आपको भागवत सहित सभी धर्मशास्त्रों की दीक्षा दूंगा। राजा ने कहा, वत्स, मैं भागवत के रहस्यों का मर्म तो समझना चाहता हूं लेकिन मेरे विचार से आप अभी इतने पारंगत नहीं हुए हैं कि आप मुझे दीक्षा दे सकें। मेरी राय में आपको अभी और अध्ययन की आवश्यकता है। उसके बाद आपको गुरु बना कर मुझे खुशी होगी। यह सुनकर विद्वान ब्राह्मण को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने सोचा कि राजा ने बिना परीक्षा किए ही मेरी विद्वता पर उंगली उठाई है। निराश होकर वह लौट आया। उसने यह बात अपने गुरु से कही। गुरु ने कहा, राजा ने अवश्य कोई कमी देखी होगी, तभी ऐसा कहा है। वह आश्रम में रहकर फिर से अध्ययन करने लगा। थोड़े दिन के बाद पुनः राजा के पास जाकर उसने गुरु बनने की इच्छा जताई। इस बार भी राजा ने कहा, वत्स अभी आपका ज्ञान अधूरा है। इस बार भी विद्वान ब्राह्मण निराश होकर लौट आया और फिर से धर्म ग्रंथों का अध्ययन करने लगा। इस बार उसे भागवत तथा अन्य शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया। अब उसके मन से राजा का गुरु बनने की इच्छा खत्म हो गई। वह फिर राजा के पास नहीं गया। थोड़े दिन के बाद राजा स्वयं ब्राह्मण के पास आए और कहा, मुनिवर, मेरा विचार है कि अब आप भागवत का गूढ़ अर्थ समझ गए हैं। अब मुझे आपका शिष्य बन कर खुशी होगी। शिष्य ने कहा, राजन, आपकी बात सच थी। मैं हर बार अधूरा ज्ञान लेकर आपको अपना शिष्य बनाने की इच्छा करता था। अब मुझे शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया है। इसलिए अब आपका गुरु बनने की मेरी इच्छा भी खत्म हो गई है। अब तक अधूरा ज्ञान लेकर स्वार्थवश आपके पास आता था। अब मुझे ज्ञान हो गया है कि ज्ञान बेचने की वस्तु नहीं है। वह लोगों तक पहुंचाने की चीज है।

सूडोकू नवताल- 7476

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7475 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8691

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8690 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	बा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		रा	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		बा	च	न	
ना		ल	क	बा		ना	य	क
ब	र		त	र	फ		न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध रेत परिवहन करते पुलिस ने जप्त किया ट्रैक्टर

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के रेत घाटो में प्रतिबंध के बावजूद भी रेत माफियाओं के द्वारा लगातार रेत का अवैध रूप से खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। इन रेत माफियाओं को मानो कार्यवाही का कोई डर ही नही है क्योंकि यह बेखौफ होकर सुबह शाम रात तक क्षेत्र की नदी नालो को छलनी करते दिखाई दे सकते है। बीते कुछ दिनों पूर्व ही खनिज विभाग के द्वारा सोन नदी रेत घाट से 4 ट्रैक्टर जप्त कर कार्यवाही की गई थी इसके पूर्व किरनापुर तहसीलदार के द्वारा पौनी रेत घाट पर कार्यवाही कि गई थी। उसके बावजूद भी रेत माफियाओं में उक्त कार्यवाही का कोई डर नही दिखाई देता तथा धडल्ले से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन करते देखे जा सकते है। इसी रेत की अवैध खनन एवं परिवहन की शिकायत पर लांजी पुलिस के द्वारा 8 अप्रैल को 01 ट्रैक्टर को जप्त पुलिस थाना लांजी लाकर अभिरक्षा मे लेकर खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है। इस संबध पुलिस ने बताया कि मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी एक व्यक्ति अपने सिल्वर रंग के आयशर ट्रैक्टर ट्रॉली में अवैध रेत का परिवहन कर रहा है जो कुछ समय पश्चात सोनेसराड़ रेत घाट से निकलने वाला है। सूचना की तस्दिक करने पर पुलिस के द्वारा मुखबिर के बताये अनुसार सोनेसराड़ पंहुचा जहां कुछ समय पश्चात सोन नदी की ओर से सिल्वर रंग का ट्रैक्टर ट्रॉली नदी की ओर से आते दिखाई दिया जो ट्रैक्टर का चालक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा जिसे पुलिस के द्वारा रोका गया एवं ट्रैक्टर की ट्राली की जांच की गई जिसमे रेत भरी हुई थी। चालक को उक्त रेत परिवहन को लेकर वैध रायल्टी दस्तावेज के संबध में पुछा गया तो नही होना बताया गया। वाहन चालक का नाम पता पुछने पर अपना विरेन्द्र पिता कपूरचंद कालबेले निवासी कोसमारा होना बताया एवं वाहन क्रमांक एमपी 50 एए 5521 होना बताया। जो वाहन चालक विरेन्द्र कालबेले के द्वारा बिना रायल्टी दस्तावेज के रेत परिवहन करना पाया गया। लांजी पुलिस के द्वारा तत्संबध में अपराध 17/26 धारा 303-2, खान एवं खनिज विकास का विनीयमन अधिनियम 1957, धारा 4/21 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

वार्ड में हो रहा गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य

क्रमांक 9 के पार्षद व सभापति राजस्व किशोर रामटेक्कर ने की शिकायत, उपमंत्री व सीएमओ नहीं दे रहे ध्यान

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी के अंतर्गत सभी वार्डों में निर्माण कार्य जोरों पर है किन्तु सभी निर्माण कार्यों में भारी गुणवत्ता की कमी साफ नजर आती है। हर निर्माण कार्य की कोई न कोई शिकायत करते नजर आता है किन्तु अधिकारी द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वार्ड पार्षदों द्वारा लिखित शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होना नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हैं। ऐसी ही एक शिकायत वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद व सभापति राजस्व किशोर रामटेक्कर ने की। किशोर रामटेक्कर ने सीएमओ के नाम लिखित शिकायत करते हुए बताया कि वर्तमान में वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 में गट्टू लगाए जाने का कार्य ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। यहां ठेकेदार द्वारा ठीक से खुदाई ना कर बिना ठीक से बेस बनाए गट्टू लगाए जा रहे हैं। धूल युक्त रेत का उपयोग किया जा रहा है। ठीक से बेस नहीं बनाए जाने के कारण वाहनों के चलते ही गट्टू बैठ जायेंगे। नगर परिषद में पूर्व में भी कुछ वार्डों में गट्टू लगाए गए हैं उन कार्यों को देखा जाए तो अनेक जगह ऐसे नजारे देखने को मिल जाएंगे। आपने यह भी

कहा कि शिकायत के बावजूद ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आपने नगर पालिका अधिकारी से इसकी जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पत्नी की शिकायत पर पति के विरुद्ध पुलिस ने दर्ज किया दहेज प्रताड़ना का मामला

पत्नी ने लगाया शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न का आरोप

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस के द्वारा 8 अप्रैल को पीडिता के कथन लेख कर दहेज प्रताड़ना संबधी आरोप में मामला पंजीबद्ध किया गया है। जिसमें

प्रार्थियॉ ने अपने पति महेश लिल्हारे पर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया मेरा विवाह सामाजिक रीति रिवाजों के साथ मीरिया निवासी महेश लिल्हारे के साथ 2022 में हुआ था। हमारे दांपत्य जीवन से एक 2 वर्ष की पुत्री है। विवाह में मेरे पिताजी के द्वारा अपनी हैसियत के अनुसार दहेज आदि का सामान दिया गया था। विवाह के 1 वर्ष तक मेरे पति एवं ससुराल पक्ष के लोगो ने मुझे अच्छे से रखा गया उसके बाद से मेरे पति महेश मुझे कहने लगे की शादी में तेरे पिताजी ने कम दहेज दिया है और मैने मोटर सायकल मांगी थी वह भी तुम्हारे पिताजी ने नही दिया। इस बात को लेकर हमेशा मुझे शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित कर मारपीट करते आ रहे है। इन सभी से परेशान होकर मै अपने माता पिता से पैसे मांग कर अपने पति को देती थी लेकिन उसके बाद भी मेरे पति मुझे मायके से और रूपये पैसे तथा होण्डा शाईन मोटर सायकल लाने के लिये प्रताड़ित करते थे। जिससे तंग आकर मै दिसंबर माह में अपने मायके चली गई थी तथा सारी बातें अपने माता पिता एवं भाई को बताई फिर सभी ने एक सामाजिक चौपाल ग्राम में आयोजित की जिसमें मेरे पति और ससुर भी आये बैठक में समझाईश देने के बाद मै वापस अपने ससुराल आ गई। कुछ दिनो तक ठीक रहने के बाद मेरे पति मुझे दोबारा से मारपीट और दहेज के लिये प्रताडित करने लगे जिससे तंग आकर मै अपनी 2 वर्ष की पुत्री के साथ 4 अप्रैल 2026 को अपने मायके आकर रहने लगी तथा 8 अप्रैल को पुलिस थाना लांजी पंहुचकर पति महेश लिल्हारे के विरूद्ध शिकायत दर्ज करवाई गई है। लांजी पुलिस ने पीडिता के कथन लेख कर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 18/26 धारा बीएनएस 2023, 85, 296-बी, 115-2 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

बस स्टैंड में हो रहा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा-बसों को पहुंचा रहे क्षति

बस संचालक ने की पुलिस ने शिकायत

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर मुख्यालय में स्थित लांजी बस स्टैण्ड में इन दिनों असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढते ही जा रहा है जिसके चलते अनेको घटनाऐं सामने आ रही। इसी संबध में लांजी एस कुमार्स बस सर्विस के संचालक कपिल अग्रवाल के द्वारा पुलिस थाना लांजी में एक लिखीत शिकायत प्रस्तुत की गई जिसमे उन्होने बताया कि हमारी कंपनी की बसें रोजाना रात्रि में लांजी बस स्टैण्ड में खड़ी रहती है। इन्ही खड़ी बसों से कुछ अज्ञात असमाजिक तत्वों के द्वारा बसों से चाबियॉ चोरी कर ली गई है। शिकायत में बताया गया बस स्टैण्ड में खड़ी बसो में क्रमशः एमपी 50 पी 2568,ख् एमपी 50 पी 2968, एमपी 50 पी 6868, एमपी 50 पी 0309 से अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा 7 अप्रैल की मध्य रात्रि में चाबियॉ चुरा ली गई है। जिससे बसों के निर्धारित समय पर संचालन करने मे अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि बसो की चाबिया चोरी होने से बसे शुरू नही हो पाई। जब चालक अपनी अपनी बसो के पास पंहुचे तब ज्ञात हुआ की बसो से चाबी

गायब है। जिसकी सूचना बस मालिक को दी गई। बतादें की बस स्टैण्ड परिसर में रात भर असमाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है इन्ही में से किसी के द्वारा यह कृत किया गया होगा ऐसा अंदेशा लगाया जा सकता है। बहरहाल बस स्टैण्ड परिसर में सीसीटीव्ही कैमरे भी लगे हुये है जिसे भी पुलिस के द्वारा खंगाला जायेगा जिसमें ज्ञात हो सकता है कि किसके द्वारा चाबी चोरी की गई है। प्रशासन से भी इस संबध में निवेदन किया गया है बस स्टैण्ड सहित अन्य स्थानो पर रात्रि में पुलिस विशेष रूप से गश्त करे ताकि इस प्रकार की घटनाऐं दोबारा ना हो।

फिर सरकारी दावों की खुली पोल

झिरिया का पानी पीने को मजबूर बैगा जनजाति के लोग, एक हैडपंप वो भी खराब, नलजल योजना का भी नही मिल रहा लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश को आजाद हुए 79 वर्ष हो गए है, बावजूद इसके भी जिले के कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां शासन प्रशासन द्वारा अब तक पीने के पानी तक का इंतजाम नहीं किए गए हैं,जिसके चलते वनांचल में रहने वाले आदिवासी बैगा आज भी इस आधुनिक दौर में झरिया का पानी पीने के लिए मजबूर हैं।आजादी के कई दशक बीतने के बावजूद भी सभी गांवों में अबतक नलजल योजना का लाभ नही मिल पा रहा है।नदी किनारे झिरिया खोदकर पीने का पानी लाने के ताजा मामला ग्राम पंचायत समरिया के बैगा टोला से सामने आया है।जहां दिखावे के लिए नलजल योजना तो है, लेकिन इसका लाभ ग्रामीणों को नही मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक गांव में एक हैंडपंप है जिससे पहले लोग पीने का पानी लिया करते थे वही उसी पानी का उपयोग अन्य जरूरत को पूरी करने के लिए भी किया जाता था लेकिन वह हैंडपंप भी खराब हो चुका है जिसके चलते भीषण गर्मी के इस दौर में कई महीनो से लोग नदी किनारे झिरिया खोदकर पानी लाने के लिए मजबूर हैं इस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानिय ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्राम समरिया में पेयजल के इंतजाम किए जाने की मांग की है।

आदिवासी क्षेत्रों में आदिवासी परिवार बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। अब देखना यह है कि शासन प्रशासन और जिम्मेदार विभाग कब तक नींद से जागता है और कब इन परिवारों को पानी की समस्या से निजात मिलती है।

सरकारी दावों की पोल खोल रही समरिया की तस्वीर

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा प्रत्येक गांव में घर-घर नल का जल पहुंचने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर कई ग्रामीण और वनांचलों में यह योजना महज सरकारी कागजो तक ही सीमित है। कुछ गांव में नल जल योजना पहुंच चुकी है, तो कुछ गांव में अब तक नहीं पहुंची है।कुछ गांवों में नल जल योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कराकर घर घर तक पाइपलाइन तो बिछा दी गई है,लेकिन योजना के तहत नल में जल नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते लोग पीने के पानी को लेकर काफी परेशान है।बैहर के ग्राम समरिया से आई यह तस्वीर शासन- प्रशासन के इन्हीं दावो की पोल खोलते नजर आ रही है।जानकारी के अनुसार बैहर विकास खंड के ग्राम पंचायत समरिया बैगा टोला के आदिवासी बैगा परिवार एक किलोमीटर दूर नदी में जाकर पानी लाने के लिए मजबूर है, जो नदी किनारे झिरिया बनाकर दूषित पानी लाकर पी रहे है,समरिया से सामने आई इस तस्वीर ने सरकारी दावों की पोल खोल कर रख दी है।

बुनियादी सुविधाओं से मेंहरूम बैगा आदिवासी

ग्राम पंचायत समरिया के बैगा टोला में जो स्थिति बनी हुई है, वह सिर्फ एक टोला व गांव की समस्या नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की विफलता का आईना है। जों वहां की तस्वीर बयां कर रही है। एक ओर केंद्र और राज्य सरकार हर घर जल का सपना दिखा रही है, आदिवासियों के लिए कई योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत में

बरसात में पीना पड़ता है नदी का दूषित पानी

जनपद पंचायत बैहर के ग्राम पंचायत समरिया क्षेत्र में रहने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों की हालत बद से बदतर हो गई है। कहने को बैगा टोला में एक हैडपंप तो है, लेकिन वह खराब होने से उसमें पानी नहीं निकल रहा है।जिसके कारण बैगा टोला में निवासरत बैगा परिवार झिरिया के दूषित पानी पीने को मजबूर है,जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है,और जवाबदार बेखबर है। ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी में तो कम से कम झिरिया बनाकर पानी पीते हैं, बरसात में तो नदी का पानी पीने को मजबूर होना पड़ता है।

टोला में एक हैंडपंप था, वह भी खराब है- सोनकुवर बाई

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा उनके ग्राम में ध्यान देने, गांव में 2021 से अधूरी पड़ी नल जल योजना को दुरुस्त कर घर-घर पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पानी दिए जाने की गुहार लगाई गई है।चर्चा के दौरान ग्रामीण महिला सोनकुवर बाई ने बताया कि यहां पानी की बड़ी समस्या है। नदी जाकर झिरिया खोदकर पानी लाना पड़ता है। पानी लेकर घाट चढ़ने में काफी परेशानी होती है। हमारे टोला में हैंडपंप नहीं है, पहले हैंडपंप था वह बहुत पहले बंद हो चुका है। सरपंच से भी बताएं पर समस्या का समाधान नहीं निकला है।हमारी मांग है कि यहां नल जल योजना के तहत पानी देना चाहिए।

नदी का गंदा पानी,छानकर पीना पड़ता है- बैसाखू

वहीं ग्रामीण बैसाखू सिंह धुर्वे ने बताया कि उनके बैगा टोला में करीब 50 से 60 बैगा आदिवासी निवास करते हैं। यहां पीने के पानी की सबसे ज्यादा समस्या है। सबसे ज्यादा परेशानी बारिश के दिनों में होती है क्योंकि उस समय नदी का गंदा पानी कपड़े से छानकर पीना पड़ता है। अभी गर्मी का समय है इसलिए नदी किनारे झिरिया बनाए हैं उसका पानी पीने के लिए ला रहे हैं। यहां पर एक नल है जो खराब है, उसमें गंदा पानी आता था, पानी दुर्गंध मारता था, बीमारी होने का खतरा बना रहता है। कई बार लोगों को खाज खुजली हो चुकी है। इसलिए उसका पानी इस्तेमाल करना बंद कर दिए। हमने कई बार पानी की समस्या को लेकर आवेदन दिए हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हमारी मांग है कि यहां पीने के पानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

गांव में अब तक पूरी नही हुई नलजल योजना- अनिता धुर्वे सरपंच

ग्राम पंचायत समरिया की सरपंच श्रीमती अनीता धुर्वे ने बताया कि ग्राम पंचायत समरिया में हर घर नल योजना की स्वीकृति है, जिसका कार्य विगत 2021 से प्रारंभ हैं लेकिन विभाग की उदासीनता और ठेकेदार की लापरवाही से आज दिनांक तक पूरा नहीं किया गया है, कार्य प्रारंभ के नाम पर ठेकेदार द्वारा कुछ जगह पाइप लाइन तो लगा दिया गया है, लेकिन पानी की टंकी के अभाव में वो भी ख़राब होने की कगार पर पहुंच गया है, तत् संबंध में कई बार जवाबदारों को अवगत कराया गया लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पीजी कॉलेज बालाघाट में 30 दिवसीय ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स संपन्न

विद्यार्थियों को मिला स्वरोजगार का प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट (प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस) में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 30 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के फ्लैगशिप कार्यक्रम कौशल्यम के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस कोर्स में विद्यार्थियों को हस्तनिर्मित आभूषण निर्माण (ज्वेलरी डिजाइनिंग) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शीतल सिसोदिया द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें बी.ए. एवं बी.एससी के लगभग 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने रेशम के धागों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार की चूड़ियां, कंगन, हार सेट एवं झुमके बनाना सीखा। हस्तशिल्प विषय की प्रभारी डॉ. आशा गोहे ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से विद्यार्थी न केवल रचनात्मक कौशल सीखते हैं, बल्कि भविष्य में स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यशाला आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें डॉ. रचना कोरी, सुश्री प्राशु गौतम,

श्रीमती मनोजबाई उइके एवं कुमारी कल्याणी उइके ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. मराठे द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई, जिससे उन्हें व्यावसायिक कौशल एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में आज से गेंहू खरीदी...केंद्रों पर हेल्प डेस्क, जिला स्तर पर कंट्रोल रूम; सीएमओ से होगी गेहूं खरीदी की मॉनिटरिंग

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सहज-सुगम व्यवस्था की जाए सुनिश्चित - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 9 अप्रैल से गेहूँ खरीदी आरंभ हो रही है। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए सहज-सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सभी कलेक्टर्स और एसडीएम को दिए गए हैं। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए पेयजल और छायादार स्थान की व्यवस्था की जा रही है। गेहूँ उपार्जन जैसी महत्वपूर्ण और व्यापक गतिविधि में सामाजिक और सेवाभावी संस्थाएं भी सहयोग करें। प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर फैसले लिए

जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार किसान और स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल संवाद के दौरान व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है। गेहूँ की प्रति क्विंटल कीमत को वर्तमान स्तर तक लाना बड़ी चुनौती थी, हम इसे 2700 रूपये प्रति क्विंटल तक ले जाएंगे। किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलवाना हमारी प्रतिबद्धता है। हम जनता की सेवा करना चाहते हैं, इसी उद्देश्य से उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ खरीदी की बेहतर व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन केंद्रों पर हेल्प डेस्क स्थापित किये जा रहे हैं, जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से संपूर्ण व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाएगी। उपार्जन केंद्रों पर पंपलेट और होर्डिंग के द्वारा भी किसानों को व्यवस्था के संबंध में जानकारियां देने के निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2026 से किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों को उनके कल्याण तथा हित से जुड़ी शासन की योजनाओं से भी अवगत कराया जाए।

किसानों के मुद्दे पर आज कांग्रेस घेरेगी कलेक्ट्रेट

किसानों के मुद्दों पर गुरुवार को कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करने जा रही है। इस दौरान हर शहर में कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। घेराव के दौरान एकसाथ गेहूं की खरीदी करने की मांग की जाएगी। इंदौर में भी शहर और ग्रामीण क्षेत्र के नेता घेराव में शामिल होंगे। कांग्रेस का कहना है कि विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने 2700 रुपए क्विंटल गेहूं खरीदने का कहा था, लेकिन सत्ता में आते ही 40 रुपए का बोनस देकर किसानों के साथ छल किया, जबकि राजस्थान में डेढ़ सौ रुपए का बोनस दिया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि खरीदी में भी जानबूझकर देरी की जा रही है, ताकि किसान घबराकर औने-पौने दाम में गेहूं व्यापारियों को बेच दें। इसमें कई बिचौलिये भी सक्रिय हो गए हैं। सरकार ने इंदौर, भोपाल, उज्जैन और नर्मदापुरम में 10 अप्रैल और अन्य संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी करने का निर्णय लिया है, वहीं 160 लाख टन खरीदी के पंजीकरण के मुकाबले 78 लाख टन खरीदी की सीमा तय कर किसानों की कमर तोड़ दी है, वहीं बारदाने की जरूरत को बहाना भी बनाया जा रहा है। प्रदेश में 10 करोड़ बारदानों की जरूरत थी, लेकिन 2.60 करोड़ बारदानों की व्यवस्था ही हो पाई है। ओलावृष्टि से भी सीहोर, विदिशा सहित 17 जिलों में फसलें बर्बाद हुई है, लेकिन इन्हें अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया।

7 मई से बोर्ड की द्वितीय परीक्षा, पूरक परीक्षा व्यवस्था खत्म

- 10वीं-12वीं अब फेल-पास सबको मिलेगा दूसरा मौका

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने इस साल से छात्रों के लिए बड़ा बदलाव किया है। अब पारंपरिक पूरक परीक्षा प्रणाली को खत्म कर 'द्वितीय परीक्षा' शुरू की जा रही है, जिसमें फेल और पास दोनों तरह के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। खास बात यह है कि छात्र अब सिर्फ फेल विषयों के लिए ही नहीं, बल्कि बेहतर अंक लाने के लिए भी किसी विषय में दोबारा परीक्षा दे सकेंगे। यह परीक्षा 7 मई 2026 से शुरू होगी। बोर्ड का मानना है कि इससे छात्रों को अपने रिजल्ट सुधारने का बेहतर अवसर मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने पूरक परीक्षा की पुरानी व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। पहले हाईस्कूल में अधिकतम दो विषय और हायर सेकेंडरी में एक विषय में फेल छात्र ही पूरक परीक्षा दे सकते थे। लेकिन अब 'द्वितीय परीक्षा' के तहत सभी छात्रों को समान अवसर मिलेगा।

फेल के साथ पास छात्र भी दे सकेंगे परीक्षा

नई व्यवस्था के अनुसार, जो छात्र किसी विषय में अनुत्तीर्ण हैं, उनके लिए उस विषय की परीक्षा देना अनिवार्य होगा। वहीं, जो छात्र पास हैं, वे भी अपने अंक सुधारने के लिए स्वेच्छा से किसी भी विषय में शामिल हो सकते हैं। यह बदलाव छात्रों के लिए बड़ा राहत भरा कदम माना जा रहा है। बोर्ड द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, हायर सेकेंडरी (12वीं) की द्वितीय परीक्षा 7 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। वहीं हाईस्कूल (10वीं) की परीक्षा 7 मई से 19 मई 2026 के बीच होगी। सभी परीक्षाएं निर्धारित केंद्रों पर आयोजित होंगी। द्वितीय परीक्षा के बाद जारी की जाने वाली अंकसूची मुख्य परीक्षा की तरह ही होगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि छात्र के मुख्य परीक्षा और द्वितीय परीक्षा में से जो भी बेहतर परिणाम होगा, वही अंतिम रूप से मान्य किया जाएगा। इससे छात्रों को अपना प्रदर्शन सुधारने का सीधा लाभ मिलेगा।

कैशलेस स्वास्थ्य बीमा के इंतजार में रिटायर होते जा रहे कर्मचारी

भोपाल । मप्र सरकार राज्य के सरकारी कर्मचारियों के लिए एक नई कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लाने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 10 लाख कर्मचारियों-अधिकारियों को प्रति वर्ष 20 लाख तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार निर्धारित अस्पतालों में प्राप्त कर सकेगा। लेकिन विडंबना यह है कि इस कैशलेस स्वास्थ्य बीमा के इंतजार में कर्मचारी रिटायर होते जा रहे हैं। लेकिन अभी तक बीमा का प्रस्ताव मंत्री परिषद में भी नहीं पहुंच पाया है।गौरतलब है कि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की लंबे समय से मांग थी कि उन्हें गंभीर बीमारियों के दौरान आर्थिक सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं मिलें।

मप्र अब में नई टेक्नोलॉजी से बन रहीं गांवों की सड़कें

33 हजार सडक़ों का डिजिटल रिकार्ड तैयार, कई जिलों में सर्वे 80 प्रतिशत से अधिक

भोपाल। मध्य प्रदेश में ग्रामीण सड़कों के निर्माण का तरीका अब बदल गया है। सुगम संपर्कता परियोजना के तहत जियो-इंवेंट्री और सिपरी सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों का उपयोग कर सड़क निर्माण को पूरी तरह वैज्ञानिक और डेटा आधारित बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और गुणवत्ता की निगरानी के लिए ड्रोन तकनीक अपनाई जाए। परियोजना के तहत प्रदेश में करीब एक हजार करोड़ रुपये की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी और 100 से अधिक आबादी वाले मजरों-टोलों को सड़क सुविधा से जोड़ा जाएगा। जनपद पंचायतों को तीन करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने के अधिकार भी दिए गए हैं।

इस नई तकनीक से सड़क निर्माण में दोहराव रुकेगा, योजना अधिक सटीक बनेगी और लागत व समय दोनों की बचत होगी। साथ ही गांवों तक बेहतर और स्थायी सड़क संपर्क सुनिश्चित हो सकेगा। जियो-इंवेंट्री का मतलब है पहले से बनी सड़कों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना। रिम्स पोर्टल के माध्यम से सड़कों की लोकेशन, लंबाई और स्थिति को मैप पर दर्ज किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, पीएमजीएसवाय और जिला सड़कों को शामिल किया गया है। इससे यह पता चल सकेगा कि कहां सड़क पहले से मौजूद है और कहां नई जरूरत है, जिससे एक ही सड़क दोबारा बनने की समस्या खत्म होगी। अब तक 33 हजार 655 सड़कों में से 17 हजार 437 सड़कों का जियो-इंवेंट्री कार्य पूरा हो चुका है। प्रदेश के 9 जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक सर्वे हो गया है, जिनमें रतलाम, जबलपुर, आगर-मालवा, मंदसौर और पन्ना प्रमुख हैं।

सिपरी सॉफ्टवेयर से तय होगा कहां बनेगी सड़क

सिपरी सॉफ्टवेयर सड़क निर्माण की पूरी योजना तैयार करने में मदद करता है। इसके जरिए यह तय किया जा रहा है कि सड़क कहां बनेगी, उसकी लंबाई-चौड़ाई क्या होगी और कितनी लागत आएगी। यही नहीं, यह सॉफ्टवेयर यह भी बताता है कि सड़क के साथ कहां पुल, पुलिया या कल्वर्ट की जरूरत है। नई सड़कों के सर्वे, डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) और लागत का अनुमान भी इसी सॉफ्टवेयर से तैयार किया जा रहा है। इससे योजना में पारदर्शिता आएगी और गलत या अधूरी योजना बनने की संभावना कम होगी।

ड्रोन और डैशबोर्ड से होगी निगरानी

सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। साथ ही जनपद, जिला और राज्य स्तर पर डैशबोर्ड के जरिए काम की मानिटरिंग होगी। मैदानी अमले को भी तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे वे नई प्रणाली को बेहतर तरीके से लागू कर सकें। परियोजना के तहत अब तक सात हजार 135 नई सड़कों के प्रस्ताव तैयार हो चुके हैं और 29 जिलों में 1771 सड़कों को स्वीकृति मिल चुकी है।

मप्र से सांसद तमिलनाडु से लड़ रहे विधानसभा चुनाव

राज्यसभा सांसद एल मुरुगन लड़ रहे विधायक का चुनाव

भोपाल। तमिलनाडु में इस समय चुनावी बयार बह रही है, जहां सभी पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में लगातार प्रचार कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी तमिलनाडु में कभी भी मजबूत नहीं रही और उसे हमेशा दूसरे दलों का साथ लेना पड़ा है। इस बार भी भाजपा और एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में 27 सीटों पर चुनाव पर लड़ रही है। लेकिन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद एल मुरुगन तमिलनाडु की अविनाशी सीट से विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं।

एल मुरुगन भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भारतीय जनता युवा मोर्चे से की थी। बाद में वह साल 2020 में तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी बने। इसके बाद साल 2021 में उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाया गया, तब वह मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद बने। वह अभी केंद्र में मंत्री हैं।

केंद्र सरकार में मंत्री हैं एल मुरुगन

एल मुरुगन अभी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री हैं। इससे पहले वह मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनके पास अपार अनुभव मौजूद है और वह जमीन से जुड़े हुए नेता माने जाते हैं। इसी वजह से पार्टी ने उन्हें राज्यसभा सांसद रहते हुए भी विधायकी का चुनाव लड़वाया है। इससे पहले वह साल 2011, 2012 उपचुनाव और 2021 में भी विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन तब तीनों ही बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके अलावा वह साल 2024 में नीलगिरी से लोकसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन तब उन्हें डीएमके के ए राजा से हार झेलनी पड़ी थी। अब दोबारा से वह विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं।

तमिलनाडु में इस बार 23 अप्रैल 2026 को वोट डाले जाएंगे और पूरे राज्य में एक ही चरण में चुनाव होगा। वहीं मतगणना 4 मई को होगी।

निगम-मंडल नियुक्तियों पर लगी रोक!

संगठन बैठक में सीएम से चर्चा के बाद हेमंत खंडेलवाल ने लिया फैसला

भोपाल । मप्र में निगम-मंडलों की नियुक्तियों को लेकर बड़ा और अहम फैसला सामने आया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने फिलहाल इन नियुक्तियों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई चर्चा के बाद लिया गया है। नई गाइडलाइन के तहत अब सबसे पहले जनभागीदारी समितियों में नियुक्तियां की जाएंगी। इन समितियों को जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को अवसर देने का महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है। पार्टी का मानना है कि पहले इन समितियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए, इसके बाद निगम-मंडलों में नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू की जाए।

सूत्रों के मुताबिक, निगम-मंडलों में नियुक्तियों के लिए नामों की सूची लगभग तैयार थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच भी महत्वपूर्ण बैठक हो चुकी थी, जिसमें सहमति से नामों पर चर्चा की गई थी। हालांकि, अंतिम समय में संगठन ने नियुक्तियों को होल्ड करने का निर्णय लिया, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी अब इस प्रक्रिया को और अधिक व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना चाहती है। बताया जा रहा है कि एक दर्जन से अधिक निगम-मंडलों में प्रस्तावित नियुक्तियां फिलहाल रोक दी गई हैं। इसके पीछे संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की रणनीति को प्रमुख कारण माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि नियुक्तियों को लेकर कोई भी निर्णय व्यापक विचार-विमर्श और संतुलन के साथ लिया जाए।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के नतीजे का रहेगा इंतजार

इसके अलावा, आगामी पांच राज्यों के चुनाव परिणाम भी इस फैसले के पीछे एक अहम कारण माने जा रहे हैं। पार्टी फिलहाल किसी भी तरह की जल्दबाजी से बचते हुए राजनीतिक परिस्थितियों का आकलन करना चाहती है। चुनाव परिणाम आने के बाद ही आगे की प्रक्रिया को गति मिलने की संभावना है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह निर्णय पार्टी के भीतर संतुलन बनाए रखने, संभावित असंतोष को नियंत्रित करने और कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने की रणनीति का हिस्सा है। कुल मिलाकर, निगम-मंडल नियुक्तियों पर लगी यह रोक अस्थायी जरूर है, लेकिन इससे यह स्पष्ट हो गया है कि आगे की नियुक्तियां पूरी रणनीति और समन्वय के साथ ही की जाएंगी।

ट्रकों में लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस अनिवार्य, ट्रांसपोर्टर का विरोध

भोपाल। मध्य प्रदेश में सभी ट्रकों पर व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) को 1 अप्रैल से अनिवार्य कर दिया गया है। वाहनों पर इस डिवाइस के ना लगे होने पर परमिट रोक दिए गए है। सरकार के इस फैसले का ट्रांसपोर्टरों ने विरोध शुरू कर दिया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने इस डिवाइस की अनिवार्यता समाप्त करने और राष्ट्रीय परमिट की प्रक्रिया को फिर से सुचारू करते हुए परिवहन सचिव को पत्र भी लिखा है। पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में मध्य-पूर्व के युद्ध जैसे हालात के कारण वैश्विक व्यापार प्रभावित है, जिसका सीधा असर ट्रक ऑपरेटरों पर पड़ रहा है। ऐसे में 1 अप्रैल 2026 से वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस अनिवार्य किए जाने से ट्रक मालिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। एआईएमटीसी के आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी के चेयरमैन सीएल मुकाती ने यह भी कहा कि वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस को सुरक्षा के नाम पर अनिवार्य किया गया है, लेकिन यह व्यवस्था आम जनता की सुरक्षा से सीधे जुड़ी नहीं है, क्योंकि आम लोग बसों में सफर करते हैं, ट्रकों में नहीं। साथ ही, डिजिटल प्रणाली के जरिए हैकिंग और डाटा चोरी जैसी घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है, जिससे ट्रक और माल की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। एआईएमटीसी ने सरकार से मांग की है कि राष्ट्रीय परमिट की पुरानी व्यवस्था को बहाल किया जाए और वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की अनिवार्यता को केवल सार्वजनिक परिवहन वाहनों तक सीमित रखा जाए।

परिवहन विभाग की अधिकृत कंपनियां वसूल रहीं दोगुनी राशि

संगठन ने आरोप लगाया कि वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस की कीमत बाजार में 5 से 6 हजार रुपए है, लेकिन अधिकृत कंपनियां इसे 12 से 15 हजार रुपए तक में बेच रही हैं, वहीं सिम एक्टीवेशन के नाम पर भी अधिक शुल्क वसूला जा रहा है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि कई राज्यों में इस व्यवस्था को लेकर पुनर्विचार किया जा रहा है।

मप्र के नक्सल प्रभावित 100 गांवों की बदलेगी तस्वीर

भोपाल । भारत के नक्सल प्रभावित राज्यों से अब लगभग लाल आतंक का खात्मा हो चुका है। इसके साथ जो इलाके नक्सलियों की वजह से अब तक विकास से वंचित रह गए थे उनमें अब विकास परियोजनाएं रफ्तार पकड़ेंगी। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के उन 100 गांवों में अब तेजी से विकास होगा जो कभी नक्सलियों के गढ़ माने जाते थे। इन गांवों में अब तक बंदूक की गूंज सुनाई देती थी लेकिन अब नहीं अब यहां पर शिक्षा और चिकित्सा के साधन उपलब्ध होंगे। कभी लाल आतंक के साए में रहने वाले बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिले के 100 गांवों की जल्द ही तस्वीर बदलने वाली है। इन गांवों की तस्वीर बदलने के लिए सरकार ने 332 करोड़ रुपए का एक मेगा डेवलपमेंट प्रोजेक्ट तैयार किया है। सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस परियोजना के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ भी बात की है।

सड़कों के निर्माण पर खर्च

इस पूरे बजट का सबसे बड़ा हिस्सा, यानी करीब 200 करोड़ रुपए, सड़कों के निर्माण पर खर्च किया जाएगा। प्रशासन ने ऐसी 150 किलोमीटर लंबी सड़कों की पहचान है जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में शामिल नहीं हो पाई थीं। ये सड़कें दो या उससे ज्यादा गांवों को आपस में जोड़ेंगी, जिससे ग्रामीणों के लिए शहर तक पहुंचना आसान हो जाएगा। इस बजट में से 13 से 14 करोड़ रुपये खर्च कर इन गांवों में बिजली की सेवा को दुरुस्त करने का प्रयास किया जाएगा। यहां कि अब वहां के बच्चे भी बिजली की रोशनी में पढ़ पाएंगे जहां एक समय इलेक्ट्रीसिटी की लाइनें बिछाना भी मुश्किल था। इन क्षेत्रों के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 8 करोड़ रुपए की लागत से दो नए आईटीआई कॉलेज खोले जाएंगे।

एनएसयूआई के उपाध्यक्ष परमार के खिलाफ मामला दर्ज

- उप मुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री के बंगले के बाहर चिपकाये थे पोस्टर

भोपाल। एनएसयूआई के उपाध्यक्ष रवि परमार के खिलाफ हबीबगंज थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। गौरतलब है की परमार ने तीन दिन पहले प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा मंत्री के बंगले के बाहर पोस्टर चिपकाये थे। इसके बाद बंगले की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड सैनिक की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पोस्टर चिपकाने से पूर्व रवि परमार ने 4 अप्रैल को इस संबंध में मीडिया में जानकारी साझा करते हुए बताया था कि वे भोपाल जिला चिकित्सालय के सीएमएचओ डॉक्टर मनीष शर्मा की तरफ से बनाई गई फर्जी अस्पतालों की मान्यता सूची को लेकर अभियान चलाने वाले हैं। और सीएमएचओ कार्यालय के अलावा स्वास्थ्य मंत्री के बंगले, स्वास्थ्य संचालनालय, आयुष्मान विभाग में पोस्टर चिपकाने का काम करेंगे। उनके साथ संगठन के जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर भी थे। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत वे क्रेटा कार से चार इमली स्थित उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के बंगले पर पहुंचे। यहाँ चिपकाये गये पोस्टर में फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट बनाने के लिए संपर्क करें नटवरलाल उर्फ नट्टू शर्मा लिखा था। बंगले की सुरक्षा में तैनात होमगार्ड सैनिक हिमांशु तिवारी पिता ओमप्रकाश तिवारी (30) ने उन्हें रोका। जब वह नहीं माने तो बाद में इसकी जानकारी बंगले के अधिकारियों को दी गई। जिसके बाद हबीबगंज थाना पुलिस से शिकायत की गई पुलिस ने रवि परमार के अलावा एक अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है, कि अन्य आरोपी की जानकारी जुटाने के लिये कार नंबर के मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है।

छात्राओं की सुरक्षा पर उठे सवाल, सडक़ जाम कर एबीवीपी का उग्र प्रदर्शन

भोपाल। कॉलेज के पास संचालित शराब दुकान के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने उग्र प्रदर्शन किया। एमएलबी गर्ल्स कॉलेज और एसवी को-एड कॉलेज के नजदीक शराब दुकान होने से नाराज छात्रों ने सड़क जाम कर दी और दुकान पर पथराव भी किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। एबीवीपी ने प्रशासन पर नियमों की अनदेखी और छात्राओं की सुरक्षा से समझौता करने के आरोप लगाए, जबकि प्रशासन ने मामले में कार्रवाई का भरोसा दिया है।

भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहा पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बुधवार दोपहर जोरदार प्रदर्शन किया। राजा भोज सेतु से पॉलिटेक्निक चौराहा तक का रास्ता जाम कर दिया गया, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हुई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, लेकिन प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र होता गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं का गुस्सा बढ़ गया और उन्होंने शराब दुकान के बोर्ड पर चढ़कर उसे फाड़ दिया। इतना ही नहीं, दुकान पर पथराव भी किया गया और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। इस दौरान ट्रैफिक खुलवाने में लगे प्रशासनिक अमले और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। एबीवीपी की केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य शालनी वर्मा ने आरोप लगाया कि पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित शराब दुकान, एमएलबी गर्ल्स कॉलेज और एसवी को-एड कॉलेज जैसे शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह नियमों का सीधा उल्लंघन है और इसमें प्रशासन की मिलीभगत साफ नजर आती है।

छेड़छाड़ की घटनाओं पर जताई चिंता

एबीवीपी का कहना है कि हाल ही में इस क्षेत्र में दो छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आई हैं। संगठन का आरोप है कि शराब पीकर निकलने वाले लोग छात्राओं को निशाना बनाते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में है। यही कारण है कि छात्रों में आक्रोश बढ़ा और आंदोलन उग्र हो गया। शालनी वर्मा ने बताया कि एबीवीपी ने पहले कई बार शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासन को ज्ञापन देकर शराब दुकान हटाने की मांग की थी। लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो संगठन को उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी।

सहकारी बैंकों में राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी तेज

- अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों पर फैसला जल्द, नियुक्तियों के बाद चुनाव कराने की प्लानिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां चुनाव से पहले सहकारी बैंकों और समितियों में राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, सहकारिता विभाग में लंबे समय से लंबित नियुक्तियों को अब तेजी से पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत अपेक्स बैंक सहित जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक मंडल और अन्य समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्ति जल्द हो सकती है।

बताया जा रहा है कि निगम-मंडलों के साथ-साथ सहकारी संस्थाओं में भी राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की जा रही है। यह नियुक्तियां आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए बेहद अहम मानी जा रही हैं। हाल ही में इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल के साथ भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है।

सूत्रों की मानें तो पहले इन पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी और उसके बाद सहकारी संस्थाओं में चुनाव कराने की रणनीति पर काम होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सहकारिता क्षेत्र में ये नियुक्तियां चुनावी समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। अब देखना होगा कि इन नियुक्तियों का ऐलान कब तक होता है और इसका आगामी चुनावों पर क्या असर पड़ता।

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखपऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर

करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का होंसला बढ़ा हैं। वहीं केकेआर के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम के अन्य खिलाड़ियों से उन्हें सहयोग नहीं मिला है। इस मैच में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैदान पर टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना अधिक पसंद करती है। यहां टी20 में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 163 रन रहा है। केकेआर की टीम से फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी, ब्लेसिंग मुज़ारबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं ः

केकेआर- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनूकुल रॉय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती।

लखनऊ सुपर जायंट्स - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इम्पैक्ट प्लेयरः मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में यशस्वी और बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में अब तक हुए मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप में राजस्थान रॉयल्स का ही दबदबा है। यशस्वी जायसवाल सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज जबकि रवि बिश्नोई सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। राजस्थान के सलामी बल्लेबाज यशस्वी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की रेस में नंबर एक पर पहुंच गए हैं।

यशस्वी ने मुंबई के खिलाफ 32 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के समीर रिजवी को पीछे छोड़ा। उनके अब तीन मैचों में 170 रन हो गए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पिछले मैच में भी अर्धशतक लगाया था। वहीं रिजवी ने दो मैचों में 160 रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स के ही वैभव सूर्यवशी शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वह तीन मैचों में 122 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा तीन मैचों में 118 रन बनाकर पांचवें नंबर पर बरकरार हैं।

आईपीएल 2026 ऑरेंज कैप सूची

खिलाड़ी	मैच	रन	टीम
यशस्वी जायसवाल	3	170	राजस्थान रॉयल्स
समीर रिजवी	2	160	दिल्ली कैपिटल्स
हेनरिक क्लासेन	3	145	सनराइजर्स हैदराबाद
वैभव सर्यवंशी	3	122	राजस्थान रॉयल्स
रोहित शर्मा	3	118	मुंबई इंडियंस
देवदत्त पडिक्कल	2	111	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
अंगकृष रघुवंशी	3	110	कोलकाता नाइट राइडर्स
कूपर कोनोली	3	108	पंजाब किंग्स
सरफराज खान	3	99	चेन्नई सुपर किंग्स
रियान रिकेल्टन	3	98	मुंबई इंडियंस

वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। उनके तीन मैचों में सात विकेट हैं। वहीं रॉयल्स के ही के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर दो मैचों में पांच विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप सूची

खिलाड़ी	मैच	विकेट	टीम
रवि बिश्नोई	3	7	राजस्थान रॉयल्स
नांद्रे बर्गर	3	5	राजस्थान रॉयल्स
विजयकुमार वैशाख	3	5	पंजाब किंग्स
जैकब डफी	2	5	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
अंशुल कम्बोज	3	5	चेन्नई सुपर किंग्स
टी नजराजन	2	4	दिल्ली कैपिटल्स
प्रिंस यादव	2	4	लखनऊ सुपर जायंट्स
हर्ष दुबे 3	4	सनराइजर्स हैदराबाद	
लुंगी एनगिडी	2	4	दिल्ली कैपिटल्स
भुवनेश्वर कुमार	2	4	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर - गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे। रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है।

चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल : बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को हराया

मैड्रिड । लुइस डियाज और हैरी केन के गोल से एफसी बायर्न म्यूनिख ने रियल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबॉल क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में 2-1 से हराकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाये हैं। वहीं मैड्रिड की ओर से केवल स्टार खिलाड़ी किलियन म्बाप्पे ही एक गोल कर पाये। इस मैच में बायर्न को गोल करने के कई अवसर मिले पर केवल दो को ही भुना पायी।

मैच की शुरुआत में बायर्न की ओ से। केन ने मूव बनाया पर डेयोट उपामेकानो गोल नहीं दाग पाये। इसके बाद मैड्रिड की ओर से एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर ने गोल का प्रयास किया पर बेयर्न ने उसे विफल कर दिया। बेयर्न को पहली सफलता पहला गोल 40वें मिनट में मिली जब डियाज ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही केन ने एक गोल दागकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। मैड्रिड की ओर से एम्बाप्पे ने 74वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने अपनी ओर से कई प्रयास किये, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। इस जीत से बायर्न के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ गयी हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड धांधली के बाद भंग, तमीम नये प्रेसीडेंट बनाये गये

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछली कुछ समय में यहां एक के बाद एक कई मामले सामने आये हैं। वहीं अब पता चला है कि बीसीबी के चुनावों में भी भ्रष्टाचार हुआ है। बांग्लादेश सरकार ने एक जांच में पाया है कि अक्तूबर 2025 में हुए बीसीबी के चुनावों में धांधली हुई। इसी के बाद बीसीबी बोर्ड को भंग कर एक नई अस्थाई समिति बनायी गया है। इसमें 11 सदस्यों को शामिल किया गया है। ये समिति जो अगले तीन महीनों तक बीसीबी की कमान संभालेंगी। वहीं पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को नया बीसीबी प्रेसिडेंट बनाया गया है। है। सरकार की जांच समिति ने इन चुनावों में हुई हेराफेरी के सबूत भी दिये हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार पूर्व जस्टिस एकेएम असदुज्जमां की अध्यक्षता वाले पांस सदस्यीय पैनल ने खेल मंत्रालय को अपनी अपनी रिपोर्ट सौंपी है। इसमें कई दावे किए गए हैं। वहीं सरकार की ओर से बनाई गई समिति ने भी कई अवसरों पर बीसीबी के शीर्ष अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी की बात कही है। बीसीबी के पूर्व प्रमख अमीनुल इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पैनल के साथ बैठम में भाग नहीं लिया पर अपना जवाब भेज दिया था। इस कमिटी ने पाया कि बीसीबी के अधिकारी और खेल मंत्रालय के लोग चुनाव प्रक्रिया के दौरान घोटाले कर रहे थे। स्पोर्ट्स डायरेक्टर मोहम्मद अमीनुल अहसान ने सरकार की की रिपोर्ट को पढ़ा और बताया, चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी। वोटर्स पर दबाव बनाने के साथ ही कई गलत तरीके अपनाये गये।

अहसान ने कहा कि सरकार के पास अमीनुल इस्लाम के नेतृत्व वाले बीसीबी बोर्ड को भंग करने के लिए पर्याप्त आधार थे।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के

बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव - पड़िकल

बेंगलुरु। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया।

तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी।

भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2ः30 बजे खेले जाएंगे।

गोलकीपरः मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी

डिफेंडरः अलीना देवी, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जॉयशिनी चानू, रितु बड़ाईक, तानिया देवी

मिडफील्डरः अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी, थंडामोनी बास्की

फॉरवर्डः अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू, पर्ल फर्नांडीस, वैलैना फर्नांडीस

वैभव के कहर से बच नहीं पाये बुमराह और बोल्ट

गुवाहाटी ।15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे एक बार फिर साबित हो गया कि वैभव अब काफी परिपक्व हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 14 गेंदों पर ही एक चौका और पांच छक्के लगान 39 रन बनाए। इससे पता चलता है कि वह भविष्य में भारतीय टीम के सितारे बनने के लिए तैयार हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी इस मैच में 32 गेंदों पर 77 रन बनाये। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। वैभव ने जिस प्रकार निडर होकर बल्लेबाजी की। उससे सभी प्रभावि हैं।

रॉयल्स ने मुम्बई को हराकर तीसरी जीत जीत दर्ज की

अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

गुवाहाटी। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के अच्छे प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियन्स को 27 रन से हरा दिया। वर्षा बाधित इस मैच में जीत के साथ ही रॉयल्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

इस मैच में बारिश के कारण मुकाबला करीब तीन घंटे देर से शुरु हुआ। इस मैच में जीत के लिए मिले 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम 123 रनों पर ही सिमट गयी। मुम्बई के बल्लेबाज असफल रहे। केवल नमन धीर और शेरफेन रदरफोर्ड ही ही 20 से अधिक रन बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे। रॉयल्स की ओर से नांद्रे बर्गर ने 21 रन देकर दो विकेट जबकि रवि बिश्नोई ने भी 25 रन लेकर दो विकेट ही लिए। वहीं संदीप शर्मा ने भी 26 रन देकर इतने ही विकेट लिए। वहीं इससे पहले रायल्स की यशस्वी ने 32 गेंद में चार छक्कों और 10 चौकों से नाबाद 77 रन जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 39 रन। जिससे रॉयल्स ने तीन विकेट पर 150 रन बनाए। मुंबई की ओर से स्पिनर गजनफर ने 21 रन देकर दो विकेट लिए। शारदुल ठाकुर ने भी 36 रन देकर एक विकेट लिया।

मुंबई की इस मैच में शुरुआत अच्छी नहीं रही। रेयान रिकेल्टन केवल 8 रन ही बना पाये। वह जोफ्रा आर्चर की गेंद पर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच हुए। सूर्यकुमार यादव भी केवल 6 रन ही बना पाये। संदीप शर्मा ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को 5 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। मुंबई की टीम पावर प्ले के 3.2 ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना पायी। कप्तान हार्दिक पंड्या 9 और तिलक वर्मा 14 रनों पर आउट हुए।

अभी संन्यास नहीं लेंगे फखर

लाहौर । पाकिस्तान के अनुभवी सलामी बल्लेबाज बल्लेबाज फखर जमा ने खुलासा किया है कि टी20 विश्वकप के बाद वह खेल को अलविदा कहने वाले थे पर अब उन्होंने अपना फैसला बदल दिया है। फखर का कहना है कि वह करियर को उस समय छोड़ना चाहते हैं जबकि उसके शीर्ष पर हों। फखर अभी पाक सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं। इसमें भी वह गेंद से छेड़छाड़ को लेकर विवादों में हैं। टी20 विश्वकप में उन्हें अधिक अवसर नहीं मिले थे। उन्हें पूरे ग्रुप स्तर पर बाहर ही बैठना पड़ा था सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने एक ही बार 16 गेंदों में 25 रन बनाये थे। फखर को श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में पारी की शुरुआत का अवसर मिला था। इसमें उन्होंने 42 गेंदों में 84 रन बनाये थे। लाहौर कलंदर्स से खेल रहे फखर पर पीएसएल में गेंद से छेड़छाड़ के मामले को लेकर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। इसी कारण आजकल वह मैदान से बाहर हैं और टीम के साथ डगआउट में अस्थायी कोच की भूमिका निभा रहे हैं।इस सत्र में फखर ने अब तक 53 और 1 रन की पारियां खेली हैं। वह अब 11 अप्रैल को पेशावर जाल्मी के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे -सहवाग

नई दिल्ली। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना

चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है। आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

ईशान एक अच्छे कप्तान -क्लासेन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पैट कमिंग के बाहर होने के कारण टीम की कप्तानी संभाल रहे ईशान किशन की जमकर प्रशंसा की है। क्लासेन ने कहा कि ईशान एक अच्छे खिलाड़ी और कप्तान है क्योंकि वह बेहद सहज है और सलाह लेने में हिचकते नहीं है। इसके साथ ही उनका फैसला लेने का तरीक काफी अच्छा है। वह सभी से बात करते हैं और ड्रेसिंग रुम का माहौल भी हंसी मजाक वाला बनाये रखते हैं। नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से अब तक इस सीरीज में ईशान ने ही कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल रहे हैं।

वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सलाह मांगते हैं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा बनाये रखते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम में उनकी बात सुनते हैं वह एक अच्छी आदत है। उन्होंने कहा, इससे साफ है कि टीम सुरक्षि हाथों में है। जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। पिछले काफी समय से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। 08 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन,संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

मखाने की खेती को सफल बनाने हर संभव उपाय करें

बैठक में सहायक संचालक उद्यान को निर्देशित किया गया की मखाना की खेती करने वाले किसानों से निरंतर संवाद व संपर्क बनाये रखे और उन्हें सतत मार्गदर्शन दे। मखाना उपज को खरीदी के लिए प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा की यदि मखाना की फसल किसी स्थान पर लगाई जा रही है तो वह फसल नष्ट नहीं होना चाहिए।

मत्स्य उत्पादन बाने जलाशयों में केजकल्चर लगाए

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में सहायक संचालक मत्स्योद्योग को निर्देशित किया की जिले के तालाबों में मत्स्य उत्पादन के लिए अधिक से अधिक संख्या में केजकल्चर लगवाए। इसके अलावा उन्होंने सहायक संचालक को कहा कि वे शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ आम नागरिक तक पहुंचाए।

जिले की सभी आँगनवाड़ियों में शौचालय का निर्माण शीघ्रता से कराने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को कहा की जिले में संचालित सभी आँगनवाड़ियों में शौचालय का निर्माण शीघ्रता से कराये ताकि बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पे। इसके अलावा उन्होंने पोषण पखवो की समीक्षा करते हुए इस कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

पीएम सूर्य घर बिजली योजना के कार्य में प्रगति लाने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने विभागीय अधिकारी को कहा की पीएम सूर्य घर योजना के कार्य में तत्परता से करते हुए उसमे प्रगति लाये ताकि आम नागरिक तक इस योजना का लाभ पहुंच सकें। इस योजना में जो भी टारगेट दिए गए है उसे समय सीमा में करते हुए पूरा करें। इसके अलावा उन्होंने कुसुम–बी योजना के अंतर्गत एआईएफ के विरुद्ध लोन की स्वीकृति की प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एचपीवी टीकाकरण में प्रगति लाने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने सीएचएमओ को कहा कि वे एचपीवी टीकाकरण के कार्य में प्रगति लाये। इसके अलावा उन्होंने प्रसूति सहायता प्रकरणों के निराकरण के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन शीघ्रता से कराने व पीएम राहत योजना की विस्तार से समीक्षा की।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ करें निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया की 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों को प्राथमिकता दे और उनका शीघ्रता से निराकरण कराए।

प्यासे कंठो को तर करने किया शीतल प्याऊ का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज़। उकवा। विकास खण्ड बैहर जिला बालाघाट जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण में कलेक्टर मृणाल मीणा एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन मे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड बैहर जिला बालाघाट जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण में ग्राम सोनपुरी में महेश पटले जी ब्लाक समन्वयक बैहर सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक के द्वारा के द्वारा ग्राम सोनपुरी मे जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया आम जनता को जल संरक्षण के विभिन्न संदेश दिए गए,साथ में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोनपुरी द्वारा समिति का बोर्ड लगाया गया इन सभी कार्यक्रम में उपस्थित रहे महेश पटले जी ब्लाक समन्वयक बैहर सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारीक उपाध्यक्ष संतोष सोनी, नितिन कुमार पत्रकार संजना बर्वे,नवांकुर संस्था आर्या समाज कल्याण समिति बैहर प्रमुख राजीव गोपाल सिंह परते परामर्शदाता सुरेश यादव भाजपा महामंत्री उकवा तपेश धुले,प्रस्फुटन समिति प्रमुख श्रीमती ज्योति वरकडे सचिव संदीप गजभिये एवं एवं पीएम श्री शासकीय बालक माध्यमिक स्कूल सोनपुरी ज्योति टेम्भरे, पूनम बिसेन पी टी आई अंकित, अजिते म्युसिक शिक्षक लोकचंद तेकाम प्राथमिक शिक्षक सचिव सोनपुरी सुखचरण खंडाते एवं सदस्य शिखा उमरे, सरिता मात्रे, रेनू उमरे, ममता कटरे, साधना मर्सकोले, चमन वरकडे की सहभागिता रही।

खरगे का मोदी और ममता पर हमला....बीजेपी नफरत और विभाजन की राजनीति, ममता के 15 साल में राज्य पिछड़ा

कोलकता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी का घोषणापत्र जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा और सीधा हमला बोला है। कांग्रेस ने इस बार राज्य में कल्याण, रोजगार और सुधार का मॉडल पेश कर खुद को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के मजबूत विकल्प के रूप में दिखाया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि वह ''समुदायों के बीच नफरत और विभाजन की राजनीति पर फलते-फूलते हैं'' और 'धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बंगाल में सत्ता पाना चाहते हैं'। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी कर खरगे ने कहा कि मतदाताओं के पास तीन विकल्प मौजूद हैं.............तृणमूल कांग्रेस का भ्रष्टाचार आधारित प्रशासन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति तथा कांग्रेस का कल्याण, रोजगार और सुधार केंद्रित मॉडल।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी समुदायों के बीच नफरत और विभाजन को बढ़ावा देते हैं। वे ध्रुवीकरण के आधार पर सत्ता हथियाना चाहते हैं। लोगों को अल्पकालिक राजनीति और दीर्घकालिक प्रगति में से किसी एक को चुनना होगा। कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार बंगाल में 15 साल सत्ता में रहने के बावजूद राज्य में विकासात्मक बदलाव लाने में पूरी तरह से विफल रही। उन्होंने कहा कि (तृणमूल शासन में) न राज्य के पास स्थिति को बदलने की कोई योजना है और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खोखली बातों के अलावा इस बारे में कुछ किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा बंगाल की अर्थव्यवस्था की बात कभी नहीं करती। वहां सिर्फ ध्रुवीकरण की बात करती है, जिसके इर्द-गिर्द उसकी पूरी राजनीति घूमती है। वह रोजगार सृजन, उद्योगों के पुनरुद्धार या युवाओं के लिए किसी भी तरह की योजना पर कोई स्पष्टता विजन नहीं देती। वह अलगाव, नफरत और डर के फॉर्मूले पर टिकी है। उन्होंने भाजपा पर ''धमकाने की राजनीति'' करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खरगे ने महिलाओं को 2,000 रुपये का मासिक अनुदान और किसानों को 15,000 रुपये का वार्षिक अनुदान देने का वादा किया। उन्होंने राज्य के प्रत्येक परिवार के लिए 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा, युवाओं के लिए रोजगार और सभी जिलों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रशिक्षण केंद्र शुरु करने की बात कही।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''कोलकाता कभी निवेश और रोजगार के मौके के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह एक ऐसा शहर बन गया है, जहां से युवा महाराष्ट्र, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद की ओर जा रहे हैं। इससे आपको यहां की बिगड़ती आर्थिक स्थिति का अंदाजा लग सकता है। हमारा बंगाल घोषणापत्र इस चुनौती का डटकर सामना करता है और समाधान पेश करता है। हम बंगाल रोजगार गारंटी मिशन शुरू करने वाले हैं, जिसके तहत स्टार्टअप को वित्त पोषित करना और एआई शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी महिला सशक्तीकरण, किसान कल्याण, स्वास्थ्य सेवा और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा,''हमने कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में अपनी गारंटी पूरी की हैं। बंगाल को न केवल अस्तित्व बनाए रखना है, बल्कि देश के बाकी हिस्सों में भी अपनी छाप छोड़नी होगी। दो दशकों के अंतराल के बाद बंगाल में अपने दम पर मैदान में उतरने और सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ने के पार्टी के फैसले के बारे में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने बीरेन नाग के निर्देशन में बनी 1962 में प्रदर्शित फिल्म बीस साल बाद का जिक्र किया।

रमेश ने कहा, ''फिल्म बीस साल बाद की तरह हम बंगाल में 2006 के बाद 2026 में अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमारी पार्टी, हमारे कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता के लिए एक नयी ऊर्जा का स्रोत है। कांग्रेस को यहां नयी ऊर्जा मिली है।'' तीन महीने पहले संसद में वंदे मातरम पर हुई बहस का जिक्र कर रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करने और राष्ट्रगान को मिटाने की कोशिश कर रही है। रमेश ने कहा,''भाजपा का इरादा बंकिम बाबू के कंधों पर बंदूक रखकर टैगोर को निशाना बनाना था। सच्चाई यह है कि 1937 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गांधी, नेहरू, बोस और कांग्रेस के अन्य शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में टैगोर ने राष्ट्रगान को अपनाने के तरीके पर निर्णय लेने में मदद की थी।

सीजफायर के बाद जगी उम्मीद...भारत के फंसे 16 जहाज जल्द निकल सकते हैं होर्मुज से

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक अभी भी फारस की खाड़ी में भारत के 16 जहाज फंसे हुए हैं। इतना ही नहीं उन भारतीय झंडे वाले जहाजों पर 433 नाविक भी करीब 40 दिनों से फंसे हैं। अब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्ध विराम हो चुका है, इसलिए इनके वहां से जल्द कूच करने की एक नई उम्मीद जगी है।

भारतीय जहाजों का अपने देश आना इस पर निर्भर करेगा कि ईरान कितनी जल्दी उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य से जाने की अनुमति देता है। आमतौर पर किसी भी मर्चेंट शिप को फारस की खाड़ी से भारत के पश्चिमी तटों पर मौजूद मुंबई, मुंद्रा, कांडला, कोच्चि या मंगलुरु बंदरगाहों तक पहुंचने में तीन से सात दिन लगाते हैं। यह जहाजों के आकार, भार और उनकी स्पीड पर निर्भर करता है।

मतलब, जिस दिन से ईरान,ओमान के साथ मिलकर सीजफायर के अनुसार जहाजों को गुजरने की अनुमति देगा, उन्हें भारत पहुंचने में 3 से एक 1 तक का समय लग सकता है। अब सवाल है कि ईरान इसकी शुरुआत कब से करता है, क्योंकि सीजफायर को लेकर उसका जो बयान आया है, उससे साफ है कि वह शर्तों के आधार पर ही इसकी इजाजत देगा, जैसा कि वह पहले करता आया है। दो हफ्तों की अवधि के लिए ईरान की सशस्त्र सेना के साथ समन्वय के द्वारा और तकनीकी सीमाओं को ध्यान में रखकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित यात्रा मुमकिन हो सकेगी।

मतलब, ईरान का दो टूक कहना है कि सीजफायर के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही शर्तों के आधार पर तय होगी। यह लाइन उसकी नई नहीं है और जब उसने सिर्फ भारत सहित पांच मित्र राष्ट्रों (रूस, इराक, चीन और पाकिस्तान) के जहाजों को गुजरने की घोषणा की थी, तब भी ऐसी ही शर्तें लगाई थीं। जबकि, अमेरिकी राष्ट्रपति और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से सीजफायर की घोषणा के साथ होर्मुज स्ट्रेट खोलने जो दावे किए गए हैं, वहां पूरी तरह से अलग हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की असिस्टेंट और व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने दावा किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुलवा दिया। इससे पहले जो रिपोर्ट थी, उसके अनुसार ईरान होर्मुज से जहाजों के गुजरने देने के लिए जो प्रोटोकॉल बना रहा है, उसमें कई तरह की शर्तें होनी हैं। इसमें प्रति जहाज 2 मिलियन डॉलर का टोल लेना भी शामिल है। यही नहीं, ईरान चाहता है कि जहाज उसके तट के बिल्कुल नजदीक से गुजरें, ताकि उसकी सेना उसे अपनी आंखों से देखकर उनकी पहचान सुनिश्चित कर सके।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई : पटवारी सहित दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंदिया रोड मिताली नर्सिंगहोम के सामने दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दो व्यक्ति घायल हो गए। दोनों घायल जिनमे पटवारी फुलेश पिता शंकर लाल मानेश्वर 38 वर्ष वार्ड नंबर एक शेष नगर बूढ़ी बालाघाट और जगदीश पिता पन्नालाल कनसरे 54 वर्ष ग्राम खुरसोड़ी थाना ग्रामीण निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट नगर के वार्ड नंबर 1 शेष नगर निवासी फुलेश मानेश्वर किरनापुर में पटवारी के पद पर पदस्थ है। 7 अप्रैल की रात 9ः45 बजे करीब फुलेश मानेश्वर मोटरसाइकिल में किरनापुर से बालाघाट आ रहे थे। गोंदिया रोड मिताली नर्सिंगहोम के पास सामने से जगदीश कनसरे भी मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी दोनों की मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में दोनों व्यक्ति घायल हो गए। जिन्हें 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है। मामले की जांच ग्रामीण थाना की पुलिस द्वारा की जा रही है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में लेटरल एंट्री से प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लेटरल एंट्री के माध्यम से विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह विद्यालय विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, स्टेशनरी, आवास, भोजन एवं डिजिटल बोर्ड के माध्यम से आधुनिक शिक्षण सुविधा प्रदान करता है। साथ ही नई दिल्ली से नियमित रूप से पदस्थ शिक्षकों द्वारा अध्यापन कराया जाता है। विद्यालय में कक्षा 7वीं में 1 बालक एवं 2 बालिका, कक्षा 8वीं में 1 बालिका तथा कक्षा 11वीं में 40 सीटें रिक्त हैं। इन सीटों के लिए अनुसूचित जनजाति, बैगा जनजाति, विमुक्त घुमक्कड़ जनजाति, दिव्यांग एवं अनाथ अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश या सीबीएसई बोर्ड से कक्षा 10वीं में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। बैगा जनजाति एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत अंकों की छूट प्रदान की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन के साथ डिजिटल जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, स्वास्थ्य पंजीयन प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं पिछली कक्षा की अंकसूची संलग्न कर विद्यालय समय में उपस्थित होकर आवेदन करना होगा। निर्धारित आवेदन फॉर्म एवं विस्तृत जानकारी विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट http://www.emrsukwa-balaghat.in/ पर उपलब्ध है।

गुजरातियों पर टिप्पणी को लेकर घिरे मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांगी माफी, सियासत में फिर उबाल

अहमदाबाद। गुजरातियों को लेकर की गई टिप्पणी पर मचे विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आखिरकार माफी मांग ली है। उनके इस बयान के बाद गुजरात की राजनीति में काफी गर्माहट देखने को मिली थी। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सफाई देते हुए कहा कि केरल में दिए गए उनके चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इसके बावजूद उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए खेद जताया। उन्होंने लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। उनका कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

हालांकि, भाजपा ने इस माफी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। पार्टी के प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा कि माफी का स्वागत है, लेकिन यह सवाल बना हुआ है कि इसे देने में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, देर आए दुरुस्त आए। अनिल पटेल ने आरोप लगाया कि खड़गे ने कांग्रेस के 'युवराज' यानी राहुल गांधी के इशारे पर बयान देते हैं। हालांकि, उन्होंने खड़गे को एक सम्मानित व्यक्ति भी बताया। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस बार-बार गुजरातियों का अपमान करती है और जब विरोध बढ़ता है, तब माफी मांगती है। प्रवक्ता ने खड़गे के पुराने 'सांप' वाले विवादित बयान का जिक्र करते हुए उस पर भी माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि खड़गे का इरादा अपमान करने का नहीं था, तो उन्होंने तुरंत माफी क्यों नहीं मांगी? क्या विवाद बढ़ने का इंतजार किया गया? गुजरात के लोग अपनी अस्मिता और सम्मान के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब किसी पूरे समुदाय को लेकर बयान दिए जाते हैं, तो उसका असर राष्ट्रीय राजनीति तक देखने को मिलता है। खड़गे की यह माफी भले देर से आई हो, लेकिन फिलहाल इसने राजनीतिक विवाद को शांत करने की कोशिश जरूर की है।

सीएम सरमा दावा...पुलिस की जांच खेड़ा से होकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक जाएगी

गुवाहाटी । कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की 14 धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर दी है। इन धाराओं में मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां द्वारा दर्ज शिकायत पर कार्रवाई की है। इस बीच मुख्यमंत्री शर्मा ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधकर चेतावनी दी है कि उन्हें भी इस केस में शामिल किया जा सकता है।

क्या है पूरा मामला?

यह विवाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा की गई प्रेसवार्ता के बाद शुरू हुआ। इस दौरान खेड़ा ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां के पास तीन अलग-अलग पासपोर्ट हैं। इसके साथ ही, खेड़ा ने कुछ दस्तावेजों की तस्वीरें शेयर कर आरोप लगाया था कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रिनिकी भुइयां के नाम पर संपत्तियां हैं। अमेरिका में उनके नाम से एक कंपनी पंजीकृत है। कांग्रेस नेता खेड़ा का दावा था कि मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने चुनावी हलफनामे में इन संपत्तियों और जानकारियों का कोई खुलासा नहीं किया है।

इन दावों के तुरंत बाद, रिनिकी भुइयां ने पवन खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस की क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज होने के बाद, असम पुलिस की एक टीम पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर भी पहुंची।

एफआईआर में किन धाराओं और आरोपों का जिक्र है?

रिपोर्ट के अनुसार, इस एफआईआर में खेड़ा और अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें मुख्य रूप से ये आरोप शामिल हैं, चुनाव के संबंध में झूठे बयान देना, धोखाधड़ी और जालसाजी, आपराधिक धमकी देना, शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना और इसतरह के बयान देना, मानहानि और आपराधिक साजिश रचना शामिल है।

सीएम सरमा की पत्नी भुइयां ने एफआईआर का आधार बनी अपनी शिकायत में खेड़ा के सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने इन दावों को झूठा, मनगढ़ंत, निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन पासपोर्ट, नागरिकता, संपत्तियों या दस्तावेजों का जिक्र किया गया है, उनका कोई अस्तित्व नहीं है। न ही कभी उनके नाम पर इनके लिए आवेदन किया गया है और न ही उन्हें इसतरह का कोई दस्तावेज जारी किए गए हैं। वहीं सीएम शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि खेड़ा ने उन दस्तावेजों की जांच नहीं की, जिनके आधार पर उनके परिवार पर आरोप लगे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि खेड़ा हैदराबाद भाग गए हैं, लेकिन असम पुलिस उन्हें पाताल से भी ढूंढ़ निकालेगी।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगे नहीं होंगे

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी; 2025 में चार बार में 1.25 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली(ईएमएस)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 8 अप्रैल को मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

2025 में चार बार में 1.25 प्रतिशत की कटौती

फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25 प्रतिशत घटाई गई। जून में तीसरी बार आरबीआई ने दरों में 0.50 प्रतिशत कटौती की थी। दिसंबर में 0.25 प्रतिशत की कटौती के बाद ब्याज दरें 5.25 प्रतिशत पर आ गई थी।

ब्याज दर में बदलाव नहीं करने की वजह

आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, महंगाई में फिर से उछाल आने का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश की वजह से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी होने की आशंका है। ईरान–इजरायल जंग की वजह से सप्लाई चैन पर बुरा असर पड़ रहा है। आरबीआई अभी रुको और देखो की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। बैंक अभी दुनिया भर के आर्थिक हालातों पर नजर रखना चाहता है। इसी वजह से ब्याज दर में बदलाव नहीं किया गया।

माय भारत बजट क्वेस्ट के अंतिम चरण के लिए बालाघाट के सिद्धार्थ गेड़ाम का चयन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। माय भारत बजट क्वेस्ट (MY Bharat Budget Quest 2026) के अंतिम चरण (Final Round) के लिए बालाघाट के प्रतिभावान युवा सिद्धार्थ गेड़ाम का चयन हो गया है। देशभर के 12 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से चुनिंदा फाइनलिस्ट्स में शामिल होने पर सिद्धार्थ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वर्चुअल संवाद का गौरवपूर्ण अवसर मिलेगा।

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कार्यक्रम 12 और 13 अप्रैल 2026 को भोपाल में आयोजित होगा, जिसमें चयनित युवा Union Budget 2026 पर अपने विचार, सुझाव और विजन साझा करेंगे। MY Bharat प्लेटफॉर्म पर आयोजित इस क्विज़-आधारित मल्टी-स्टेज प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को बजट की समझ बढ़ाना और विकसित भारत @2047 के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

सिद्धार्थ गेड़ाम ने पिछले चरणों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा, गहरी समझ और बेहतरीन प्रदर्शन से यह उपलब्धि हासिल की। यह चयन न केवल सिद्धार्थ के लिए व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि बालाघाट एवं मध्य प्रदेश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। यह दर्शाता है कि युवा शक्ति अब सीधे राष्ट्रीय नीति-निर्माण में अपनी आवाज़ बुलंद कर रही है। सिद्धार्थ गेड़ाम ने कहा कि यह अवसर मेरे लिए सम्मानजनक है। मैं बजट पर युवाओं के दृष्टिकोण को प्रधानमंत्री जी तक पहुंचाने का पूरा प्रयास करूंगा।

न्यूज गैलरी

सामाजिक बहिष्कार की कुरीति ने तोड़ा परिवार

शादी का निमंत्रण बना विवाद की वजह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अचानकपुर में सामने आई एक घटना ने समाज में फैली सामाजिक बहिष्कार जैसी कुरीतियों की गंभीर तस्वीर उजागर कर दी है। एक ओर जहां समाज में आपसी भाईचारे और समानता की बातें की जाती हैं वहीं दूसरी ओर आज भी कुछ स्थानों पर पुरानी परंपराएं और संकीर्ण सोच लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही हैं।घटना के अनुसार सुकवंती पंचेश्वर नामक महिला ने अपने बेटे की शादी के अवसर पर एक ऐसे व्यक्ति देवीलाल पांचे को निमंत्रण दे दी थी।जिसे कथित तौर पर 44 गांवों के लोगों द्वारा समाज से बहिष्कृत कर दिया गया था। यह निर्णय सुकवंती के परिवार को स्वीकार नहीं था। उसके पति सहदेव पंचेश्वर और बेटे ने उसे पहले ही ऐसा करने से मना किया था, लेकिन सुकवंती ने मानवीय आधार पर उसे भी शादी में शामिल करने का प्रयास किया। निमंत्रण देने के बाद सुकवंती को अपने ही घर में विरोध और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। पति द्वारा लगातार गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी जाने लगीं। यहां तक कि उसे हथियार दिखाकर डराने की भी कोशिश की गई। 7 अप्रैल को सुकवंती को उसके पति सहदेव द्वारा मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया गया। इसी को लेकर रास्ते मेंसुकवंती के पति सहदेव और देवीलाल के बीच भी तीखा विवाद हुआ। देवीलाल ने सहदेव को गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दे दी।पुलिस ने सुकवंती पंचेश्वर 48 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति सहदेव पंचेश्वर के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध किया वहीं सहदेव द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवीलाल के विरुद्ध जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।यह घटना केवल एक पारिवारिक विवाद नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त एक गंभीर सामाजिक बुराई का उदाहरण है। सामाजिक बहिष्कार जैसी कुरीतियां आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित हैं।सुकवंती का कदम मानवीय दृष्टिकोण से सराहनीय था। लेकिन समाज और परिवार की संकीर्ण सोच ने इसे विवाद में बदल दिया।

पात्रता परीक्षा पर शिक्षकों का शक्ति प्रदर्शन

हजारों शिक्षक सड़कों पर उतरे, सरकार से परीक्षा निरस्त और पुनर्विचार याचिका की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को जिला मुख्यालय में शिक्षक स्वाभिमान रैली निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में शिक्षक शामिल हुए। पात्रता परीक्षा के विरोध में आयोजित इस एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई और परीक्षा निरस्त करने की मांग उठाई। प्रदर्शन की शुरुआत स्थानीय मुलना स्टेडियम के सामने दोपहर में धरना-प्रदर्शन के साथ हुई, जहां शिक्षक शाम 4 बजे तक डटे रहे। इसके बाद स्वाभिमान रैली निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों अंबेडकर चौक, कालीपुतली चौक और जयस्तंभ चौक से होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची। यहां मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर रैली का समापन किया गया।

कुछ माह पूर्व न्यायालय द्वारा शिक्षा विभाग के अध्यापक शिक्षक वर्ग के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित करने के निर्देश दिए जाने के बाद से ही जिले में शिक्षक वर्ग में असंतोष का माहौल बना हुआ है। न्यायालय के आदेश में पात्रता परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले शिक्षकों को सेवा से हटाए जाने की संभावना जताई गई थी, जिससे शिक्षकों में चिंता और नाराजगी बढ़ गई। शिक्षक संगठनों का कहना है कि अन्य राज्यों की तरह मध्य प्रदेश सरकार को इस मामले में न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने सीधे आदेश को विभाग को भेजते हुए परीक्षा की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की बात कही। इसी के विरोध में शिक्षक वर्ग लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। इसी क्रम में 8 अप्रैल को प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत जिले में भी सभी शिक्षक संगठनों एवं संयुक्त मोर्चा द्वारा प्रदर्शन, धरना और रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय मुलना स्टेडियम के पास धरना प्रदर्शन से हुई, जहां दोपहर तक शिक्षकों ने सरकार के प्रति नाराजगी जताई। इसके बाद हजारों की संख्या में शिक्षक रैली के रूप में शहर के प्रमुख मार्गों अंबेडकर चौक, कालीपुतली चौक और जयस्तंभ चौक से होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया और पुनर्विचार याचिका जल्द दायर करने की मांग की। शिक्षक संगठनों ने कहा कि पात्रता परीक्षा का निर्णय वापस लिया जाना चाहिए और सरकार को जल्द से जल्द न्यायालय में अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं ले रही है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, जिनमें आशीष बिसेन , कमल पाराशर, रितेश गेडाम सहित महिला शिक्षकों ने भी अपनी बात रखी। उनका कहना था कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों की पात्रता परीक्षा लेना अनुचित है। शिक्षकों ने कहा कि उन्होंने समाज को कई अधिकारी और कर्मचारी दिए हैं, ऐसे में अब उनकी परीक्षा लेना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि पात्रता परीक्षा आवश्यक है, तो इसे केवल शिक्षा विभाग तक सीमित क्यों रखा जा रहा है। अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी ऐसी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। शिक्षकों ने हाल ही में मंत्री उदय प्रताप सिंह के बयान पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केवल आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। पहले सरकार को न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए, उसके बाद इस तरह के बयान दिए जाने चाहिए थे। शिक्षक संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक सरकार पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

डी.डी. ठाकरे को सहायक संचालक का अतिरिक्त दायित्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ अधिकारी विनय राहगडाले के सेवानिवृत्त होने के बाद विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन हेतु डी.डी. ठाकरे को सहायक संचालक जनजातीय कार्य का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। लालबर्रा तहसील के ग्राम सेलवा निवासी डी.डी. ठाकरे वर्तमान में परसवाड़ा विकासखंड में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे । इसके साथ ही वे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परसवाड़ा में प्राचार्य पद का दायित्व भी संभाल चुके हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में उन्होंने अनुशासन, प्रशासनिक दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सभी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। श्री ठाकरे ने अपने करियर की शुरुआत शिक्षा विभाग में व्याख्याता के रूप में की थी। अब उन्हें सहायक संचालक जनजातीय कार्य का अतिरिक्त दायित्व सौंपा जाना उनकी कार्यकुशलता, अनुभव और विभागीय विश्वास का प्रमाण माना जा रहा है।

9 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना चांगोटोला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मारपीट के मामले में पिछले 9 वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार स्थाई वारंटी राजेंद्र परते 48 वर्ष ग्राम मोहगांव थाना चांगोटोला निवासी है। न्यायालय में पेश कर दिया गया है।पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशानुसार जिले में फरार आरोपियों एवं स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना चांगोटोला पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।गिरफ्तार आरोपी का नाम राजेन्द्र परते48 वर्ष ग्राम मोहगांव चांगोटोला है। इस आरोपी के विरुद्ध थाना चांगोटोला में अपराध क्रमांक 106/2014 के तहत धारा 294, 323, 324, 506(बी) भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज था। घटना के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।8 अप्रैल को थाने में सूचना मिलेगी राजेश परते हाल ही में अपने घर आया हुआ है इस सूचना पर थाना प्रभारी शशांक राणा ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेंद्र परते को उसके घर में ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट